www.hindmatamirror.com ● वर्ष: 12 ● अंक: 270 ● ठाणे, शनिवार 4 जुलाई, 2026 ● पेज: 8 ● मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

दैनिक ठाणे
हिंदमाता मिरर
RNI. NO. MAHHIN/2011/43060
पैनी नजर, पुख्ता खबर

रोहित शर्मा टी-20I में सर्वाधिक फिफ्टी जड़ने वाले भारतीय कप्तान

पेज 8

बॉलीवुड में उम्र के आधार पर भेदभाव पर ईशा कोप्पिकर ने उठाए सवाल

8 पेज

सुप्रभात

हर वस्तु में संगीत है, यदि मनुष्य सुन सके। वह इच्छा, जिसे युग मनुष्य के मन से नहीं निकाल सके, यह है कि मन की मौज के सिवा कोई मालिक न हो। - **बायरन**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (4 जुलाई) 7:20 बजे, सूर्योदय (5 जुलाई) 6:05 बजे, **तापमान: 27 डिग्री से. (भारी गरज के साथ बारिश।)**

शॉर्ट स्टोरी

स्कूलों के 500 मीटर के दायरे में 'स्टिंग' बैन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने स्कूलों के 500 मीटर के दायरे में 'स्टिंग' एनर्जी ड्रिंक और इस तरह के अन्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने की शुक्रवार को घोषणा की। इस ड्रिंक में मौजूद कुछ ऐसे तत्वों को लेकर चिंता जताई गई है, जिन्हें बच्चों के लिए उचित नहीं माना जाता। विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक विक्रम पाचपुते के सवाल का जवाब देते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) मंत्री नरहरि झिरवाल ने कहा कि यह निर्णय स्कूली बच्चों पर एनर्जी ड्रिंक के प्रभाव को लेकर व्यक्त की गई चिंताओं के कारण लिया गया है। मंत्री ने बताया कि इस प्रतिबंध को लागू करने के लिए एफडीए को निर्देश दिए गए हैं।

सरकार यूसीसी ड्राफ्ट के लिए कमेटी बनाएगी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के लिए कानून का ड्राफ्ट तैयार करने जा रही है। इसके लिए अगले दो हफ्ते के अंदर कमेटी का गठन हो सकता है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के लिए कानून का ड्राफ्ट तैयार करने वाली कमेटी बनाने की प्रक्रिया चल रही है और इसे दो हफ्ते के अंदर बना दिया जाएगा। कमेटी के गठन और उसके काम के दायरे के बारे में अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। राज्य के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने बताया था कि महाराष्ट्र में यूसीसी लागू किया जाएगा और कानून का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई जाएगी।

समुद्री जल को पेयजल बनाने में आई तेजी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि मुंबई की जलापूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए शहर की पहली समुद्री जल विलवणीकरण परियोजना पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसके लिए सभी आवश्यक मंजूरी हासिल कर ली गई है। सरकार ने पुष्टि की कि इस परियोजना के लिए कार्यादेश जारी कर दिया गया है। राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने विधानसभा को बताया कि एक विशेषज्ञ कंपनी द्वारा क्रियान्वित की जा रही इस परियोजना के कारण पानी के शुल्क में प्रति लीटर लगभग 15 से 17 पैसे की मामूली बढ़ोतरी करनी पड़ेगी। बीएमसी ने प्रतिदिन 20 करोड़ लीटर क्षमता की समुद्री जल विलवणीकरण परियोजना शुरू की है।

विरार टू अलीबाग कॉरिडोर स्पीड में

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) के बहुप्रतीक्षित विरार-अलीबाग मल्टी मॉडल कॉरिडोर परियोजना को बड़ी राहत मिली है। परियोजना के लिए आवश्यक वन भूमि की मंजूरी का रास्ता साफ करने के उद्देश्य से पालघर जिले के डहाणू तहसील स्थित चंडीगांव की 30 हेक्टेयर सरकारी भूमि वन विभाग को देने की मंजूरी राजस्व विभाग ने दे दी है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की पहल पर मंत्रालय स्तर पर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। यह कॉरिडोर पालघर जिले के नवघर (वसई) से रायगड जिले के चिरनेर (उरण) तक लगभग 80 किलोमीटर लंबा होगा।

प्रदर्शन में हिस्सा लेने पर किसी को जिला बदर नहीं किया जा सकता: अदालत

नागरिक सरकार के गुलाम नहीं

● मुंबई पुलिस की तड़ीपारी कार्रवाई पर बॉम्बे हाई कोर्ट की फटकार ● दल-बदल की राजनीति और वॉशिंग मशीन पर कसा तीखा तंज

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बम्बई उच्च न्यायालय ने कहा है कि नागरिकों को सरकार का गुलाम नहीं बनाया जा सकता है और सिर्फ इसलिए जिला बदर करने के आदेश पारित नहीं किए जा सकते कि कोई व्यक्ति सरकार के खिलाफ आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों में शामिल है। अदालत ने एक स्थानीय नेता के खिलाफ जारी एक वर्ष के जिला बदर आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति माधव जामदार की एकल पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि महाराष्ट्र की राजनीति में चल रही विधायकों की खरीद-फरोख्त को देखते हुए, याचिकाकर्ता अपने खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी को रद्द करवाने के लिए पार्टी बदलने पर विचार कर सकता है। याचिकाकर्ता सईद अहमद अब्दुल वाहीद चौधरी ने अपने खिलाफ जारी जिला बदर आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। चौधरी के खिलाफ भारत सरकार, भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन व आंदोलन करने तथा नारे लगाने को लेकर कई प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं, जिसके आधार पर उनके खिलाफ जिलाबदर का आदेश जारी किया गया था। न्यायमूर्ति माधव जामदार ने कहा कि केवल भारत सरकार के कुछ फैसलों का विरोध करने के कारण सईद अहमद अब्दुल वहीद चौधरी को जिला बदर करना उनके मौलिक अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार को प्रभावित करता है।

मैं अधिकारियों पर जुर्माना लगाऊंगा

सईद चौधरी ने समान नागरिक संहिता और ज्ञानवापी मस्जिद जैसे संवेदनशील और विवादित मुद्दों को लेकर सरकार विरोधी आंदोलन किए थे, जिसके बाद डीसीपी और कोंकण के डिविजनल कमिश्नर ने उन्हें एक साल के लिए शहर से बाहर करने का आदेश जारी किया था। इस पर भड़कते हुए जस्टिस जामदार ने कहा कि पुलिस को यह समझना होगा कि वे मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के निजी नौकर नहीं हैं, बल्कि वे जनता की सेवा के लिए तैनात लोक सेवक हैं। उन्होंने राज्य सरकार के वकील से कहा कि कानून का दुरुपयोग करने वाले पुलिस अधिकारियों पर वे भारी जुर्माना लगाने जा रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि यह कार्रवाई संविधान के अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की आजादी) और अनुच्छेद 21 (सम्मान से जीने का अधिकार) का खुला उल्लंघन है।

तड़ीपारी के आदेश को रद्द किया

जिला बदर करने के आदेश को रद्द करते हुए, उच्च न्यायालय ने उल्लेख किया कि इसने चौधरी के मौलिक अधिकारों, वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सम्मान के साथ जीने के उनके अधिकार को प्रभावित किया है। अदालत ने सवाल किया, नारे लगाने पर जिलाबदर करने के आदेश क्यों जारी किए जाएं? क्या नागरिक ऐसे नारे नहीं लगा सकते? नागरिक सरकार की कार्रवाइयों और फैसलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन क्यों नहीं कर सकते?

नागरिकों को भारत सरकार का गुलाम बनाया जा रहा है

उच्च न्यायालय ने कहा कि नागरिकों को भारत सरकार का गुलाम बनाया जा रहा है और अगर कोई व्यक्ति सरकार की कार्रवाइयों का विरोध करता है, आंदोलन करता है या उन पर सवाल उठाता है, तो उसके खिलाफ मामले दर्ज किए जाते हैं। न्यायमूर्ति जामदार ने हास्यपूर्ण अंदाज में कहा कि खुद को सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया का महासचिव बताने वाले चौधरी को राजनीतिक दल बदलने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि आजकल महाराष्ट्र में यही चलन दिखाई दे रहा है।

दल-बदल पर तीखा तंज

न्यायमूर्ति जामदार ने मजाकिया अंदाज में कहा, आप (चौधरी) को भी पाला बदल लेना चाहिए। वैसे भी पूरे महाराष्ट्र में खरीद-फरोख्त हो रही है। आपके खिलाफ कुछ प्राथमिकी दर्ज हैं। पाला बदलने पर विचार कीजिए। एक वॉशिंग मशीन है। याचिका के अनुसार, चौधरी और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा सरकार के कुछ फैसलों के खिलाफ कई विरोध-प्रदर्शन और आंदोलन किए जाने के बाद उनके खिलाफ जिला बदर का आदेश जारी किया गया था। पुलिस का दावा था कि ये विरोध-प्रदर्शन संबंधित अधिकारियों से आवश्यक अनुमति लिए बिना आयोजित किए गए थे। अदालत ने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी मौजूद नहीं है, जिससे यह साबित हो कि आंदोलनों और विरोध-प्रदर्शनों से कोई नुकसान हुआ था, इसलिए केवल इन्हीं के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के प्रावधानों के तहत जिला बदर करने का आदेश जारी नहीं किया जा सकता।

मूसलाधार बारिश ने सरकार और नगर निगमों के दावों पर फेरा पानी

आफत की बारिश के बीच दो दिन रेड अलर्ट

हांफने लगे पंप: नगर निगमों ने जलजमाव रोकने के लिए जहां-तहां पानी निकालनेवाले पंप लगाकर अपने कर्तव्यों की खानापूर्ति की है। नालासोपारा लिंक रोड पर इतना जलजमाव हुआ कि पानी निकालनेवाले पंपों का पेट फूल गया। पानी निकालने के बजाय ये पंप पानी की उल्टी करने लगे। (फोटो- सचिन हळदे)

● मुंबई में स्कूल-कॉलेज बंद करने की उठी मांग
● अलर्ट मोड में एनडीआरएफ, महाराष्ट्र और गोवा में टीमें तैनात

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में पिछले कुछ दिनों से जारी मूसलाधार बारिश अब और अधिक खतरनाक रूप अख्तियार करने वाली है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई और उपनगरों के लिए आगामी 4 और 5 जुलाई (2026) को भारी से अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इस चेतावनी के बाद महानगर में सुरक्षा इंतजामों को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। हालांकि अब तक बारिश जिस तरह जानलेवा साबित हुई है, उसने सभी प्रशासनिक प्रयासों पर पानी फेर दिया है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में बने मजबूत मानसूनी सिस्टम के कारण मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों में अगले 48 घंटे बेहद संवेदनशील हैं। 4 और 5 जुलाई को मुंबई के कई हिस्सों में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश होने की आशंका जताई गई है। इसके साथ ही, इस अवधि के दौरान समंदर में ऊंची लहरें उठने और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने नागरिकों से जलभराव वाले इलाकों और तटीय क्षेत्रों से पूरी तरह दूर रहने का आग्रह किया है।

बीएमसी ने प्रशासनिक अमले को किया अलर्ट

रेड अलर्ट की घोषणा के बाद बीएमसी प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। अंधेरी सब-वे, हिंदमाता, सायन, कुर्ला और मानखुर्द जैसे संभावित जलभराव वाले संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पंपिंग स्टेशन सक्रिय कर दिए गए हैं। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और मुंबई पुलिस की टीमों को भी तटीय और निचले इलाकों में तैनात किया गया है। बीएमसी ने कंट्रोल रूम को 24 घंटे एक्टिव रहने के निर्देश दिए हैं और नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर चल रही किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और बहुत जरूरी होने पर ही अपने घरों से बाहर निकलें। आपातकालीन स्थिति में तुरंत मदद के लिए बृहन्मुंबई नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर 1916 पर संपर्क करें।

12 मिनट में 15 एक्सिडेंट!

महाराष्ट्र में मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को कई बड़े हादसा होते-होते टल गए। महालक्ष्मी के पास हाईवे के बीचों-बीच बनी सड़क का कंक्रीट उखड़ने से उसमें लगे लोहे के सरिए बाहर निकल आए। यही गड्ढा कुछ ही मिनटों में 15 से अधिक वाहनों के लिए मुसीबत बन गया। तेज रफ्तार से गुजर रहे वाहन अचानक गड्ढे से टकराते गए, जिससे कई गाड़ियों के टायर फट गए, जबकि कई वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

रोड की व्हाइट टॉपिंग में खर्च हुए 620 करोड़

सबसे बड़ा सवाल इस बात को लेकर उठ रहा है कि जिस सड़क पर पिछले वर्ष व्हाइट टॉपिंग का काम कराया गया था, वह पहली ही बारिश में जवाब कैसे दे गई। जानकारी के अनुसार इस परियोजना पर करीब 620 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। इसके बावजूद कंक्रीट उखड़ने और लोहे की सरियों के बाहर आने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

4446 मैनहोल अब भी खुले

मुंबई में 55 वर्षीय एक व्यक्ति की खुले सीवर में गिरने से मौत हो जाने के बाद कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य भाई जगताप ने शहर की जलनिकासी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए शुक्रवार को कहा कि मुंबई में मौजूद 4,446 खुले मैनहोल मौत के जाल बने हुए हैं। जगताप ने सदन में कहा कि महानगर में कुल 1,03,996 मैनहोल हैं, जिनमें से 96,383 पर सुरक्षा जाल लगाए गए हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा कराने की मांग करते हुए दावा किया, 4,446 मैनहोल अब भी खुले हैं और ये मौत के जाल बन चुके हैं।

दो साल के बच्चे की नाली में डूबने से मौत

पुणे जिले में बारिश के पानी से भरी लगभग तीन फुट गहरी नाली में गिरने से दो साल के एक बच्चे की मौत हो गई और पुलिस ने इस संबंध में ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना 30 जून को लोनी ग्राम पंचायत क्षेत्र के कदमवाक वस्ती में हुई थी। पास की बस्ती में रहने वाला बच्चा खेलते समय गलती से उसमें गिर गया।

नारियल का पेड़ बाइक पर गिरा, पूर्व उपमहापौर के बेटे की मौत

ठाणे जिले के मीरा-भायंदर शहर में भारी बारिश और तेज हवा के बीच नारियल का एक पेड़ गिरने से पूर्व उपमहापौर के 35 वर्षीय बेटे की दबकर मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान राहुल अशोक पाटिल के रूप में हुई है और वह मुरधागांव के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि राहुल मीरा-भायंदर नगर निगम (एमबीएमसी) के पूर्व उपमहापौर के बेटे थे। बुधवार को हुई इस घटना के दो दिन बाद अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

सोना तस्करी के मामले में आठ गिरफ्तार, अवैध भट्ठी ध्वस्त

अवैध गोल्ड यूनिट का भंडाफोड़

तस्करी का 9 किलो सोना, 42 किलो चांदी और 8.5 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा जब्त

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली/ मुंबई

सीमा पार सोने की तस्करी के खिलाफ लगातार चल रही कार्रवाई में, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने दिल्ली स्थित एक और सोने की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह उत्तर पूर्वी क्षेत्र से दिल्ली तक विदेश से सोने की तस्करी में शामिल था और इसके लिए वह कई अलग-अलग ट्रेनों का इस्तेमाल करता था। गिरोह ने पकड़े जाने के जोखिम को कम करने के लिए अलग-अलग समय पर जहाजों से आवाजाही की व्यवस्था की थी। वे दिल्ली के घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में धातु को पिघलाने वाली एक भट्टी चलाते थे।

देशव्यापी अभियान में डीआरआई को सफलता

26 जून, 2026 को, एक सुनियोजित अभियान में, डीआरआई अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के न्यू कूच बिहार रेलवे स्टेशन और बिहार के मानसी जंक्शन पर दो वाहकों को रोका। डीआरआई द्वारा पकड़े गए व्यक्तियों के पास लगभग 2 किलोग्राम सोने की छड़ें छिपी हुई थीं। साथ ही दिल्ली में भी लगभग 1.2 किलोग्राम तस्करी किए गए सोने के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इन कार्रवाइयों से दिल्ली में सोने को पिघलाने की एक अवैध फैक्ट्री के बारे में पता चला। चारों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

महिला के पास से 20 सोने की छड़ें बरामद

उसी दिन, एक अन्य अभियान में, डीआरआई अधिकारियों ने सैरांग से कोलकाता जा रही एक महिला को रोका और उसके पास से विदेश से तस्?करी की गई 20 सोने की छड़ें बरामद कीं, जिन पर विदेशी भाषा में निशान थे और जिनका वजन लगभग 3.3 किलोग्राम था। सोना एक विशेष रूप से निर्मित बेल्?ट में छिपाया गया था। यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया।

अमेरिकी डॉलर और थाई विदेशी मुद्रा बरामद

चेन्नई में भी, डीआरआई ने घरेलू हवाई कार्गो खेपों के माध्यम से विदेशी मुद्रा की अवैध आवाजाही और भारत में सोने-चांदी की संगठित तस्करी के वित्तपोषण में इसके इस्तेमाल से जुड़े एक बड़े तस्करी रैकेट का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। डीआरआई अधिकारियों ने चेन्नई एयर कार्गो में खेपों को जब्त किया और 7,58,500 अमेरिकी डॉलर और 35,00,000 थाई विदेशी मुद्रा बरामद की, जिसका मूल्य लगभग 8.15 करोड़ रुपए है। विदेशी मुद्रा के अवैध परिवहन और वितरण में शामिल तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच में पता चला विदेशी मुद्रा को विभिन्न माध्यमों से भारत से बाहर तस्करी करके ले जाया जा रहा था और इसका इस्तेमाल कीमती धातुओं की वापस भारत में तस्करी के वित्तपोषण के लिए किया जा रहा था।

दुबई रिटर्न तस्कर को दबोचा

जांच के दौरान, विदेशी मुद्रा प्राप्त करने वाले एक व्यक्ति को दुबई से लौटते समय बेंगलुरु हवाई अड्डे पर 1.8 किलोग्राम सोने के साथ पकड़ा गया। इसके बाद उसके आवास से लगभग 42 किलोग्राम चांदी, 700 ग्राम सोने के आभूषण और 26.67 लाख रुपए भारतीय मुद्रा बरामद की गई। इससे भारत में विदेशी मुद्रा की अवैध खरीद, विदेशों में इसकी तस्करी और देश में सोने-चांदी की संगठित तस्करी के बीच सीधा संबंध स्थापित होता है। इन सभी अभियानों में कुल मिलाकर लगभग 9 किलोग्राम विदेश से तस्करी किया हुआ सोना, 42 किलोग्राम चांदी, 8.15 करोड़ रुपए मूल्य की विदेशी मुद्रा और 26.67 लाख रुपये की भारतीय मुद्रा जब्त की गई है और आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सवा करोड़ का सोना लिए घूम रहा था 25 साल का लड़का

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम्स ने सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी। बैंकॉक से आए 25 साल के एक यात्री को खुफिया सूचना के आधार पर रोका गया। तलाशी ली गई तो उसके पास से 24 कैरेट का 1 किलो सोने का बार मिला, जिसकी कीमत करीब 1.23 करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कस्टम्स के मुताबिक, जांच के दौरान यात्री के पास से 24 कैरेट का 1 किलोग्राम सोने का बार बरामद हुआ। इसकी कीमत करीब 1.23 करोड़ रुपए है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या अब्दुल रहूफ सिर्फ सोना पहुंचाने का काम कर रहा था, या फिर वह किसी बड़े तस्करी सिंडिकेट का हिस्सा है? इसी सवाल का जवाब तलाशने के लिए उसके मोबाइल फोन, यात्रा के रिकॉर्ड, संपर्कों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह सोना भारत में किसे सौंपा जाना था और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं।

एनसीपी की टूट कहां समाएगी?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शरद पवार बीजेपी के साथ जाएंगे या कांग्रेस के?

महाराष्ट्र की राजनीति से शरद पवार को लेकर कई तरह की खबरें आ रही हैं। एक खबर तो शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) के कांग्रेस में विलय से जुड़ी है। दूसरी खबर है, ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे के बाद अब शरद पवार की पार्टी का नंबर है - और तीसरी खबर है, मुमकिन है बची हुई राजनीतिक पूंजी की हिफाजत के लिए शरद पवार अपना राजनीतिक स्टैंड बदल लें। संसद के मॉनसून सत्र से पहले एक बात पर जोरदार चर्चा है कि ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे के बाद अगला नंबर किसका है? असल में केंद्र की बीजेपी सरकार महिला आरक्षण संशोधन विधेयक और परिसीमन बिल फिर से लाने की तैयारी कर रही है। संसद के पिछले सत्र में, सदन की विशेष बैठक में और विधानसभा चुनावों के दौरान, ये बिल सदन में पेश किए गए थे लेकिन दो तिहाई बहुमत के अभाव में गिर गए। टीएमसी के 20 सांसदों के अलग हो जाने, और एनडीए के समर्थन की घोषणा के बाद दोनों बिल फिर से पेश किए जाने की संभावना भी बढ़ गई है। अगर कुछ बाकी है तो नंबर का खेल पूरा करना। अगर जरूरी संख्या में सांसद सरकार के सपोर्ट में वोट नहीं करने को तैयार होते, तो सदन से गैरहाजिर होकर भी वही काम कर सकते हैं।

■ अब सूत्रों के हवाले से खबर आई है कि दिल्ली में शरद पवार वाली एनसीपी के कांग्रेस के साथ विलय पर चर्चा सकारात्मक है, और आगे बढ़ते हुए अंतिम चरण में पहुंच गई है। अव्वल तो विलय को लेकर राहुल गांधी की भी मंजूरी मिल जाने के दावे किए जा रहे हैं। वहीं खबर है कि शरद पवार के पांच सांसद शिंदे के साथ, तो तीन सांसद बीजेपी के साथ जाने के पक्ष में हैं। अगर शरद पवार कांग्रेस के साथ विलय कर लेते हैं तो उनकी पार्टी भी बच जाएगी और विचारधारा भी। पर अमित शाह की सारी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। अदाणी-अंबानी के करीबी शरद पवार ऐसा भला क्यों चाहेंगे?

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर ठाकरे ने सरकार को घेरा, 5 जुलाई से महाराष्ट्र में 'राम रक्षा' आंदोलन

अब हिंदू माफ नहीं करेगा!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र में पांच जुलाई से 'राम रक्षा' आंदोलन शुरू करने की शुक्रवार को घोषणा की और लोगों से अयोध्या के प्रतिष्ठित राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के मामले में भाजपा को जवाबदेह ठहराने के लिए इस आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया। ठाकरे ने कहा कि रविवार (पांच जुलाई) को लोग मध्य मुंबई के दादर स्थित हनुमान मंदिर में एकत्र होंगे, जहां 'हनुमान स्तोत्र' और 'हनुमान चालीसा' का पाठ करेंगे तथा अयोध्या के राम मंदिर में हुई कथित 'चोरी' की जिम्मेदारी लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दबाव बनाएंगे। उन्होंने कहा, मैं राम मंदिर में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर हुई इस चोरी से आक्रोशित सभी लोगों से अपील करता हूं कि वे हमारे साथ जुड़ें और इसके लिए भाजपा को जवाबदेह ठहराएं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के प्रसिद्ध कथन 'अब हिंदू मार नहीं खाएगा' का उल्लेख करते हुए ठाकरे ने कहा, 'अब मैं कहना चाहता हूं- अब हिंदू माफ नहीं करेगा।' हिंदुत्व के नाम पर लूट किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मारपीट के बाद युवक की मौत से तनाव

पार्षद के दफ्तर पर पथराव

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले के अंबरनाथ में कथित प्रेम संबंध को लेकर हुई मारपीट में 21 वर्षीय व्यक्ति की मौत के बाद तनाव फैल गया। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने एक पार्षद के कार्यालय पर पथराव किया और आरोप लगाया कि उन्होंने आरोपियों को बचाने की कोशिश की।

पार्षद ने आरोपों से किया इनकार

हालांकि, संबंधित पार्षद ने इन आरोपों से इनकार किया है। पुलिस के अनुसार, ओम खोरे की 23 जून को पांच से सात लोगों ने बुरी तरह पिटायी की थी और बुधवार को मुंबई के केईएम अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद अंबरनाथ पूर्व के पालेगांव इलाके में तनाव फैल गया।

प्रेम संबंध के शक में हमला

पुलिस ने बताया कि ओम खोरे पर कथित रूप से इसलिए हमला किया गया क्योंकि एक युवती के रिश्तेदार को संदेह था कि लड़की का खोरे से प्रेम संबंध है। इस संबंध में शुरूआत में अंबरनाथ के शिवाजीनगर पुलिस थाने में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और उनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया था।

पुलिस थाने की ओर मार्च

हालांकि, बुधवार को ओम खोरे की मौत की खबर फैलते ही उसके परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और सैकड़ों स्थानीय लोग पुलिस थाने की ओर मार्च करने लगे। रास्ते में कुछ लोगों ने पालेगांव स्थित एक राष्ट्रीय दल की पार्षद के कार्यालय पर पथराव किया और वहां तोड़फोड़ की। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पार्षद ने आरोपियों को संरक्षण दिया और उन्हें पुलिस कार्रवाई से बचाने में मदद की।

कार्रवाई की मांग

वहीं, पार्षद ने आरोपियों से किसी भी तरह के संबंध या उनकी मदद करने के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उनके कार्यालय पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त पुलिस कार्रवाई की मांग की है। पुलिस थाने पहुंचने के बाद ओम खोरे के परिजनों ने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक युवक का शव लेने से इनकार कर दिया। परिजनों का कहना है कि उन्होंने शुरूआत में पुलिस को सात लोगों के नाम बताए थे, लेकिन कार्रवाई केवल पांच लोगों के खिलाफ की गई।

पांच आरोपी हिरासत में

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सचिन गोरे ने बताया कि संदीप गावली, रवि परमार, नयन मडवी, सचिन पाटिल और राज देसेकर नामक पांच आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है तथा मामले की जांच जारी है।

बारिश के बीच मासूम छात्र से कराया मतदाता जागरूकता प्रचार, जांच के आदेश

हिंदमाता नेटवर्क @ तुमसर

तुमसर तहसील के मेहगांव में मतदाता जागरूकता के नाम पर तीसरी कक्षा के एक मासूम छात्र को मूसलाधार बारिश के बीच स्कूल के समय में हाथ में लाउडस्पीकर थमाकर पूरे गांव में घुमाने का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नागरिकों में भारी आक्रोश फैल गया है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। आरोप है कि जिला परिषद स्कूल के मुख्याध्यापक हेडमास्टर और बीएलओ बूथ लेवल ऑफिसर के माध्यम से इस मासूम छात्र का मतदाता जागरूकता अभियान के लिए इस्तेमाल किया गया। तेज बारिश में बच्चे को इस तरह गांव भर में घुमाने की वजह से शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं।

बारिश में लाउडस्पीकर थमाकर छात्र को घुमाया

ग्रामीणों का कहना है कि जागरूकता के नाम पर एक छोटे बच्चे के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ताक पर रख दिया गया। तहसीलदार ने बैठाई जांच तुमसर के तहसीलदार उपेश अंबादे ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरी घटना की विस्तृत जांच कराई जाएगी।

शिक्षा विभाग पर उठे सवाल

किसी भी बीएलओ या स्कूल को इस तरह से छोटे बच्चों का इस्तेमाल कर मतदाता जागरूकता अभियान चलाने का कोई आदेश प्रशासन की ओर से नहीं दिया गया था। तहसीलदार ने कहा कि इस बात की गहनता से पड़ताल की जा रही है कि संबंधित छात्र को बारिश में घुमाने का आदेश आखिर किसने दिया था, और जांच रिपोर्ट आते ही दोषियों के खिलाफ उचित प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

भिवंडी में बारिश से जनजीवन बेहाल

मूसलाधार बारिश से बाजार, सड़कें और निचले इलाके जलमग्न, ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिगड़े हालात

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

लगातार कई दिनों से हो रही बारिश ने भिवंडी में विकराल रूप ले लिया है। बीती रात से जारी मूसलाधार वर्षा के कारण शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। शहर के कई निचले क्षेत्रों में कमर तक पानी भर गया, जबकि प्रमुख बाजारों, सड़कों और रिहायशी इलाकों में जलभराव से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बाजारों में भरा पानी

भिवंडी के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र तीनबत्ती, भाजी मार्केट और अन्य निचले इलाकों में भारी जलभराव हो गया। कई स्थानों पर गटर और सीवर चैंबर उफान मारने लगे, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा। जलनिकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई और मुख्य सड़कें तालाब जैसी नजर आने लगीं। इसके चलते यातायात भी प्रभावित हुआ तथा लोगों को पानी के बीच से होकर आवाजाही करनी पड़ी।

व्यापारियों को नुकसान

लगातार बारिश का सबसे अधिक असर व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ा। कई दुकानों में पानी घुस जाने से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। दुकानदारों ने जल्दबाजी में अपना सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, जबकि ग्राहकों और राहगीरों को भी जलभराव के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

ग्रामीण इलाकों में भी संकट

शहर के साथ-साथ भिवंडी के ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात गंभीर बने हुए हैं। कई गांवों में जलभराव से खेत डूब गए हैं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। कई आंतरिक सड़कें पानी में डूबने से गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ है और निचले रिहायशी इलाकों में लोगों का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भी भारी बारिश की संभावना जताते हुए निचले इलाकों के लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

विधानसभा में गूंजा आवारा कुत्तों का मुद्दा

विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने वसई-विरार की समस्या पर सरकार से मांगा ठोस समाधान

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई-विरार क्षेत्र में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और डॉग बाइट की घटनाओं का मुद्दा महाराष्ट्र विधानसभा में जोरदार ढंग से उठा। वसई की विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने सरकार से इस समस्या पर जवाब मांगा और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

खर्च करोड़ों, परिणाम सीमित

विधायक ने सदन में बताया कि वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में करीब एक लाख आवारा कुत्ते हैं। पिछले पांच वर्षों में लगभग 4.50 करोड़ रुपए खर्च किए गए, लेकिन केवल 28 हजार कुत्तों की ही नसबंदी हो सकी। उन्होंने कहा कि पूरे शहर में सिर्फ दो नसबंदी केंद्र संचालित होना समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त नहीं है।

सरकार के सामने रखीं मांगें

स्नेहा दुबे-पंडित ने नसबंदी केंद्रों की संख्या बढ़ाने, महानगरपालिका क्षेत्र में पशु आश्रय गृह (एनिमल शेल्टर होम) स्थापित करने तथा आवारा कुत्तों और डॉग बाइट की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए सरकार के अधीन विशेष टास्क फोर्स गठित करने की मांग की।

सरकार ने दिया यह जवाब

संबंधित मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार शेल्टर होम और नसबंदी की प्रक्रिया तय नियमों के तहत संचालित की जाती है। इस पर विधायक ने कहा कि केवल नियमों का हवाला देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने सरकार से वसई-विरार के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

वराल तालाब ओवरफ्लो, भिवंडीकरों को राहत

भिवंडी में पानी संकट कम होने की उम्मीद

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी/शाहपुर

ठाणे जिले में मानसून की दो अलग-अलग तस्वीरें सामने आई हैं। भिवंडी शहर के लिए राहत भरी खबर है कि पेयजल आपूर्ति का प्रमुख स्रोत वरहाल तालाब पूरी क्षमता के साथ भरकर ओवरफ्लो हो गया है। वहीं, मुंबई को पानी उपलब्ध कराने वाले शाहपुर स्थित भातसा बांध में अपेक्षा से कम बारिश होने से भविष्य को लेकर चिंता बनी हुई है।

8 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

पिछले दो दिनों की मूसलाधार बारिश के बाद वरहाल तालाब 100 प्रतिशत भर गया है और स्पिलवे से पानी बहने लगा है। इसी तालाब से शहर के करीब आठ लाख नागरिकों को प्रतिदिन 85 मिलियन लीटर पेयजल की आपूर्ति होती है। तालाब भरने से भिवंडी महानगरपालिका को बड़ी राहत मिली है तथा पानी कटौती में करीब 50 प्रतिशत तक कमी आने की संभावना जताई जा रही है।

इस बार नहीं सताएगा पानी संकट

पिछले वर्ष इसी समय तालाब में केवल 40 प्रतिशत पानी था, जिससे एक दिन छोड़कर जलापूर्ति करनी पड़ रही थी। पिछले चार वर्षों से गर्मियों में पानी की किल्लत झेल रहे नागरिकों के लिए इस बार समय से पहले तालाब का भरना बड़ी राहत माना जा रहा है।

भातसा बांध पर बनी चिंता

दूसरी ओर, मुंबई की जलापूर्ति के प्रमुख स्रोत भातसा बांध में जलस्तर बढ़कर 53.37 प्रतिशत हो गया है, लेकिन 1 जून से अब तक केवल 341 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 600.14 मिमी बारिश हुई थी। अधिकारियों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में अच्छी बारिश होती है तो बांध तेजी से भर सकता है और मुंबई की जलापूर्ति को लेकर बनी चिंता काफी हद तक दूर हो जाएगी।

बारिश से वसई-विरार जलमग्न

24 घंटे में 124 मिमी वर्षा, चौथे दिन बारिश का कहर

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई-विरार शहर में लगातार चौथे दिन भी मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी रहा। पिछले 24 घंटे में 124 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिससे शहर के कई निचले इलाके, मुख्य सड़कें और आंतरिक मार्ग जलमग्न हो गए। गुरुवार शाम कुछ समय के लिए बारिश थमने से जलनिकासी शुरू हुई, लेकिन शुक्रवार सुबह फिर तेज बारिश होने से कई क्षेत्रों में दोबारा पानी भर गया।

पश्चिमी क्षेत्र में जलभराव

वसई पश्चिम के गिरीज गांव स्थित बदामी स्टॉप क्षेत्र में पहली बार इस स्तर का जलभराव देखने को मिला। सामान्यत: सुरक्षित रहने वाला यह इलाका तालाब में तब्दील हो गया, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जलनिकासी की तत्काल व्यवस्था करने की मांग की है।

पूर्वी इलाकों में बढ़ी परेशानी

नालासोपारा पूर्व में हालात अधिक गंभीर बने हुए हैं। स्टेशन परिसर, वाकणपाड़ा, धानिव बाग, गाला नगर, संतोष भवन, अंबापाड़ा, आचोले रोड, प्रगति नगर, चंदनसार, मनवेलपाड़ा, सातिवली, मोरया नाका और दिवाणमान सहित कई क्षेत्रों में चार दिनों से जलभराव बना हुआ है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

नालों की सफाई पर उठे सवाल

वसई पूर्व की औद्योगिक बस्ती भी पानी में डूब गई। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि संकरे नालों की वर्षों से समुचित सफाई नहीं होने के कारण जलनिकासी बाधित हो रही है। लोगों ने चौड़े नाले बनाने और बावखलों से कचरा हटाने की मांग की है। लगातार बारिश के कारण पापड़ी का साप्ताहिक बाजार भी प्रभावित रहा।

ट्रांसफॉर्मर की केबल से हेल्पर की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

नायगांव पूर्व में गुरुवार दोपहर ट्रांसफॉर्मर की केबल की चपेट में आने से 29 वर्षीय हेल्पर की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा दोपहर करीब 1.30 बजे बालाजी होटल के सामने सड़क किनारे हुआ, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान ज्ञानसागर महाजन मिश्रा (29), निवासी चेतना चाल, रामनगर, कांदिवली (मुंबई) के रूप में हुई है। वह एक इलेक्ट्रिक सुपरवाइजर के यहां हेल्पर के रूप में कार्यरत था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह ट्रांसफॉर्मर की केबल के संपर्क में आ गया, जिससे उसे तेज करंट लगा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, शुरूआती जानकारी में मृतक के कथित रूप से शराब के नशे में होने की बात सामने आई है। हालांकि इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम और जांच रिपोर्ट के बाद ही होगी। सूचना मिलने पर नायगांव पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच पुलिस हवलदार सतीश चव्हाण कर रहे हैं।

डैम से युवक का शव बरामद

शिरगांव में 14 घंटे चला सर्च ऑपरेशन, सुबह मिली सफलता

हिंदमाता संवाददाता @ विरार

शहर के पूर्व शिरगांव स्थित डैम में डूबे 19 वर्षीय युवक का शव करीब 14 घंटे तक चले सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद अग्निशमन विभाग ने बरामद कर लिया। रात में अंधेरा होने के कारण अभियान रोकना पड़ा था, जिसे शुक्रवार सुबह दोबारा शुरू किया गया।

रातभर चला खोज अभियान

अग्निशमन विभाग के अनुसार, गुरुवार शाम करीब 5.50 बजे शिरगांव के कुंभारपाड़ा स्थित डैम में युवक के डूबने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फुलपाड़ा अग्निशमन केंद्र की टीम मौके पर पहुंची और रबर बोट तथा विशेष रेस्क्यू उपकरणों की मदद से तलाश शुरू की। हालांकि, पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण देर रात अभियान स्थगित करना पड़ा।

सुबह फिर शुरू हुई तलाश

शुक्रवार सुबह करीब 7.30 बजे फुलपाड़ा अग्निशमन केंद्र की टीम ने दोबारा खोज अभियान शुरू किया। इस दौरान आचोले अग्निशमन केंद्र की रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंची। दोनों टीमों ने रबर बोट, आउटबोर्ड मोटर (ओबीएम) और विशेष खोज उपकरणों की सहायता से तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद युवक का शव डैम से बरामद कर लिया गया।

परिजनों को सौंपा शव

मृतक की पहचान अभिषेक महेंद्र राजभर (19) के रूप में हुई है। शव को बाहर निकालकर पुलिस अधिकारी रमेश पारदे और मृतक के परिजनों को सौंप दिया गया। अभियान के दौरान प्रमुख अग्निशमन अधिकारी रोहन मोरे तथा प्रभारी अग्निशमन केंद्र अधिकारी माइकल लोपिस मौजूद रहे। अभियान पूरा होने के बाद फुलपाड़ा और आचोले अग्निशमन केंद्र की टीम वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार अपने-अपने केंद्र लौट गई।

गर्भवती की मौत के बाद इंजेक्शन जांच के दायरे में

महिला की मौत के बाद दवाओं का स्टॉक सील

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

ऐरोली स्थित राजमाता जिजाऊ सार्वजनिक अस्पताल में उपचार के दौरान आठ माह की गर्भवती सोनम डोंगरे की मौत के बाद अस्पताल में इस्तेमाल किए गए इंजेक्शनों की गुणवत्ता की जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में उपयोग किए गए ड्युवाडिलन और डेक्सामेथासोन इंजेक्शनों का तत्काल प्रभाव से इस्तेमाल रोक दिया गया है। अस्पताल में उपलब्ध इन दवाओं का पूरा स्टॉक सीलबंद कर दिया गया है तथा उनके नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए ठाणे स्थित खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) को भेजे गए हैं।

एक महिला की मौत दूसरी की हालत में सुधार

महानगरपालिका प्रशासन के अनुसार 30 जून और 1 जुलाई को सोनम डोंगरे तथा रिचा मिश्रा नामक दो गर्भवती महिलाओं के उपचार के दौरान इन इंजेक्शनों का उपयोग किया गया था। इसके बाद दोनों की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। उपचार के दौरान सोनम डोंगरे की मौत हो गई, जबकि रिचा मिश्रा को आगे के इलाज के लिए वाशी स्थित फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रशासन ने बताया कि उनकी हालत में अब सुधार हो रहा है।

जांच के लिए गठित हुई विशेषज्ञ समिति

घटना के बाद मौत के कारणों की हर पहलू से जांच की जा रही है। दवाओं की गुणवत्ता को लेकर किसी भी प्रकार की आशंका दूर करने के लिए संबंधित इंजेक्शनों का पूरा स्टॉक सील कर दिया गया है।

पनवेल में नौ लाख का गांजा जब्त, तस्कर गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ पनवेल

पनवेल शहर पुलिस ने रेलवे स्टेशन के पास अमली पदार्थों की तस्करी की कोशिश को नाकाम करते हुए करीब 18 किलो 80 ग्राम गांजा जब्त किया है। इस मामले में मुंबई के 23 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। जब्त किए गए गांजे की कीमत करीब 9.22 लाख रुपए बताई गई है। अदालत ने गिरफ्तार आरोपी को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस ने आरोपी को दबोचा

बुधवार देर रात करीब दो बजे पुलिस को रेलवे स्टेशन परिसर में गांजे की तस्करी होने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बाला कुंभार के निर्देश पर पुलिस उपनिरीक्षक दत्तात्रय देवकते के नेतृत्व में विशेष टीम ने स्टेशन के बाहर सूर्या लॉज जाने वाले मार्ग पर जाल बिछाया। इसी दौरान दो युवक नीले रंग के बैग लेकर आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर एक युवक भाग निकला, जबकि दूसरे को बैग सहित पकड़ लिया गया।

मुंबई ले जाया जा रहा था गांजा

पूछताछ में गिरफ्तार युवक की पहचान मुंबई के खार स्थित जवाहर नगर, टोपीवाला चाल निवासी के रूप में हुई। उसके बैग की तलाशी लेने पर 18 किलो 80 ग्राम गांजा बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस खेप को मुंबई में तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा पनवेल में किसने उपलब्ध कराया था। फरार आरोपी और सप्लायर की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें रवाना कर दी गई हैं। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले ही पनवेल शहर थाने का कार्यभार संभालने वाले वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बाला कुंभार की यह पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

सार्वजनिक सूचना

सुनील धर्मागंद मिश्रा के मौत के बाद उनकी पत्नी विनीता मिश्रा द्वारा पहल कीर्ति इंटरप्राइजेज(सेंटलेस स्कूल, नवघर गांव भायंदर पूर्व, तालुका भायंदर जिला ठाणे, मोबाइल नं. 9221772342 सिविल कांट्रेक्टर एंड इंजीनियर) के संचालक श्रीपाल सतवा बिल्डर (निवासी तृतीय तल पोद्दार चैंबर्स, एस. ए. वाल्वी स्ट्रीट,फोर्ट, मुंबई महाराष्ट्र 400001) की निर्माणाधीन वसई पापड़ी बिल्डिंग में मौत हुई थी। उसी संदर्भ में यह प्रति।

न्यायालय उपश्रमयुक्त अयोध्या

[W.C. वाद संख्या 15 /2026]

विनीता पत्नी सुनील कुमार मिश्रा बनाम काशीनाथ गौड़

उपरिनामांकित विनीत मिश्रा पत्नी सुनील ने इस न्यायालय में आवेदन किया है उनके द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप 20 दिन के अंदर अपना जवाब प्रस्तुत करें अन्यथा एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

[उपश्रमयुक्त न्यायालय अयोध्या]

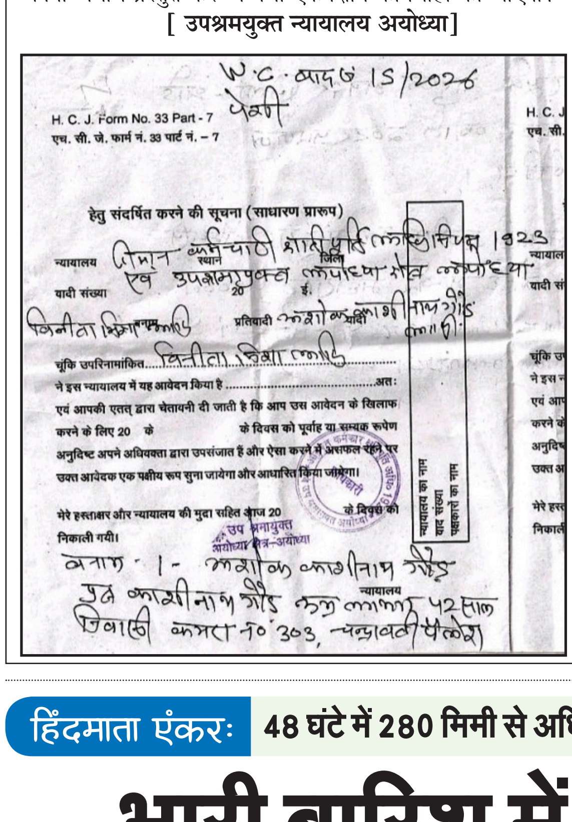
H. C. J. Form No. 33 Part - 7
एच. सी. जे. फार्म नं. 33 पार्ट नं. – 7
हेतु संदर्भित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
उक्त आवेदक एक पक्षीय रूप सुना जायेगा और आधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 ... के दिवस को निकाली गयी।

पश्चिम रेलवे की लोकल सेवाएं शुक्रवार सुबह अव्यवस्थित होने से हजारों दैनिक यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेनों के निर्धारित समय से देरी से चलने के कारण नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यालय और अन्य कामों के लिए निकले लोग घंटों ट्रेन का इंतजार करते रहे, जिससे कई यात्रियों को लेटमार्क का सामना करना पड़ा। रेलवे की अव्यवस्थित सेवा से यात्रियों में नाराजगी देखी गई। **फोटो : सचिन हल्दे**

हिंदमाता एंकर: 48 घंटे में 280 मिमी से अधिक बारिश के बावजूद मुख्य, हार्बर और ट्रांस-हार्बर मार्गों पर उपनगरीय सेवाएं रहीं सुचारु

भारी बारिश में भी दौड़ती रही मध्य रेल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

पिछले 48 घंटों में मुंबई और उपनगरों में 280 मिमी से अधिक बारिश दर्ज होने के बावजूद मध्य रेल की उपनगरीय सेवाएं मुख्य, हार्बर और ट्रांस-हार्बर कॉरिडोर पर बिना किसी बड़े व्यवधान के संचालित होती रहीं। इससे लाखों दैनिक यात्रियों को सुरक्षित और समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में सुविधा मिली। रेलवे प्रशासन ने इसे मानसून पूर्व तैयारियों और विभिन्न विभागों के बेहतर समन्वय का परिणाम बताया है।

बारिश का व्यापक असर

मध्य रेल के अनुसार, सीएसएमटी क्षेत्र में लगभग 150 मिमी, दादर-घाटकोपर के बीच 120 से 150 मिमी तथा मुलुंड में 160 मिमी से अधिक वर्षा हुई। वहीं ठाणे में 284 मिमी और कलवा में 270 मिमी बारिश दर्ज की गई। हार्बर लाइन पर वाशी से पनवेल के बीच 200 मिमी से अधिक वर्षा हुई, जबकि कल्याण-कर्जत, खोपोली और कसारा खंडों में भी भारी बारिश का असर देखने को मिला।

पहले से थी व्यापक तैयारी

रेलवे ने मानसून से पहले जलभराव रोकने और जल निकासी व्यवस्था मजबूत करने के लिए व्यापक तैयारियां की थीं। 117 संवेदनशील स्थानों पर 12.5 से 100 एचपी क्षमता वाले 210 हेवी-ड्यूटी पंप तैनात किए गए। सायन-कुर्ला, चुनाभट्टी-कुर्ला, विक्रोली-कंजुरमार्ग और कुर्ला-तिलकनगर सहित 18 बाढ़ प्रभावित स्थलों पर विशेष इंजीनियरिंग उपाय लागू किए गए। ठाणे माइक्रो टनलिंग परियोजना से स्टेशन परिसर में वर्षों पुरानी जलभराव की समस्या में भी राहत मिली।

कर्मचारियों की मेहनत रंग लाई

रेलवे ने पुलों और नालियों की सफाई, पटरियों के रखरखाव, सुरंगों के निरीक्षण, प्लेटफॉर्मों को रिसावमुक्त बनाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में मानसून गश्ती दल तैनात करने जैसे कार्य पहले ही पूरे कर लिए थे। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से यात्रियों को लगातार अपडेट उपलब्ध कराए गए। मध्य रेल ने ट्रैक मेंटेनेंस कर्मियों, गैंगमैन, मोटरमैन, ट्रेन मैनेजर, इंजीनियरों और अन्य कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके समर्पण और दिन-रात की मेहनत से ही भारी बारिश के बीच भी मुंबई की जीवनरेखा मानी जाने वाली उपनगरीय रेल सेवाएं निर्बाध रूप से चलती रहीं।

वानखेडे में चमकीं वसई की बेटियां

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित मुंबई विमेंस टी-20 लीग में वसई-नालासोपारा की प्रतिभाशाली महिला क्रिकेटर सेजल किरण राउत और बतुल परेरा ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। दोनों खिलाड़ियों को लीग में आकाश टाइगर्स टीम की ओर से खेलने का अवसर मिला। शीर्ष क्रम की बल्लेबाज सेजल राउत और बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाज बतुल परेरा स्वप्निल पाटिल क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण ले रही हैं। यूएई के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक स्वप्निल प्रकाश पाटिल के मार्गदर्शन में दोनों ने अपने खेल को निखारा और इस प्रतिष्ठित मंच तक पहुंचने में सफलता हासिल की। कोच स्वप्निल पाटिल ने दोनों खिलाड़ियों की मेहनत और अनुशासन की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि भविष्य में वे भारतीय महिला क्रिकेट टीम का भी प्रतिनिधित्व करेंगी। उनकी इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों ने बधाई देते हुए इसे वसई-वीरार के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी बताया।

पानी-पानी जिंदगानी...

वसई-नालासोपारा परिसर में महाराष्ट्र सरकार और नगर निगमों को तमाम दावों को मूसलाधार बारिश ने धो डाला है। लेकिन बारिश के बीच आम लोगों को रोजमर्रा की जरूरी चीजें उपलब्ध करानेवाले सब्जीवाले, सिलेंडरवाले, घरेलू उपयोग के सामान बेचनेवाले बारिश में जैसे-तैसे अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सबसे ज्यादा मुश्किल स्कूल जानेवाले बच्चों को हो रही है। टीचर भले ही छुट्टी पर हों, लेकिन बच्चों की हाजिरी जरूरी है, ऐसे में जलजमाव की समस्या झेलना भी लाजिमी है। वाहनचालकों का भी हाल बेहाल है। **फोटो : सचिन हल्दे**

रोजगार भी, सुरक्षित सफर भी: महिलाओं के लिए पिंक ई-रिक्शा योजना

मंत्री अदिति तटकरे ने बताई सरकार की योजना

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

राज्य सरकार की पिंक ई-रिक्शा योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने विधान परिषद में बताया कि सरकार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर काम कर रही है और चालू वित्तीय वर्ष में पहले चरण के तहत 5 हजार महिलाओं को इसका लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है।

आठ शहरों में शुरू हुई पहल

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने बताया कि पिंक ई-रिक्शा योजना की शुरुआत वर्ष 2024 में प्रायोगिक आधार पर महाराष्ट्र के आठ शहरों जैसे पुणे, नाशिक, नागपुर, अहिल्यानगर, अमरावती, छत्रपति संभाजीनगर, कोल्हापुर और सोलापुर में की गई। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना है। पहले चरण में मिले सकारात्मक अनुभव और सफलता के आधार पर सरकार अब इस योजना का विस्तार अन्य शहरों तथा नगर परिषद क्षेत्रों में भी करेगी, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को इसका लाभ मिल सके और उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता मजबूत हो।

रोजगार के साथ सुरक्षित सफर

महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ महिला यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का विकल्प देना है। इसलिए ई-रिक्शा का संचालन महिला चालक द्वारा किया जाना अनिवार्य रखा गया है। हालांकि कुछ आवेदकों ने स्वयं वाहन चलाने के बजाय अन्य व्यक्ति से चलवाने की इच्छा जताई, जिसके कारण कई आवेदन वापस ले लिए गए।

सरल होगी लाइसेंस प्रक्रिया

अदिति तटकरे ने बताया कि प्रशिक्षण, चार्जिंग स्टेशन और अन्य सुविधाओं की जिम्मेदारी आपूर्तिकर्ता कंपनी को सौंपी गई है तथा प्रशिक्षण नि:शुल्क दिया जा रहा है। परिवहन विभाग के साथ समन्वय कर लाइसेंस प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा, ताकि लाभार्थियों को आरटीओ कार्यालय के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। सरकार जनजागरूकता, प्रशिक्षण और विभागीय समन्वय बढ़ाकर योजना के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत है।

एयरलाइन में नौकरी के नाम पर ठगी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

आर्थिक तंगी और बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं को एयरलाइन में नौकरी का झांसा देकर, करोड़ों की चपत लगाने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का मानखुर्द पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस उपायुक्त समीर शेख के नेतृत्व और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बिलाल शेख के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने सीधे, उत्तराखंड के देहरादून में धावा बोलकर एक हाईटेक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह देश भर के बेरोजगार युवाओं को मुंबई में 'एयर इंडिया एयरलाइन' में आकर्षक नौकरी दिलाने के नाम पर अपना शिकार बना रहा था। पुलिस निरीक्षक (अपराध) हणमंत ओऊलकर के मुताबिक, इस छापेमारी में गुजरात, उत्तर प्रदेश और नागालैंड के रहने वाले पढ़े-लिखे शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

अंधेरी की एसआरए इमारत में भीषण आग

• धुएं से मची अफरा-तफरी, बचने के लिए कुछ लोगों ने लगाई छलांग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

अंधेरी पश्चिम के गावदेवी डोंगर क्षेत्र स्थित एक एसआरए इमारत में शुक्रवार को भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यूनाइटेड सोसायटी की एसआरए इमारत क्रमांक-2 में लगी आग तेजी से फैलने के कारण पूरी इमारत धुएं से भर गई। धुएं और आग के बीच फंसे लोगों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जान बचाने के लिए कुछ लोगों ने इमारत से छलांग भी लगा दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और अन्य एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

सभी लोगों को सुरक्षित निकाला गया

दमकल कर्मियों ने तत्काल आग बुझाने और बचाव अभियान शुरू किया। कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया और इमारत में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मौके पर डी.एन. नगर पुलिस, मुंबई अग्निशमन दल तथा अदानी इलेक्ट्रिसिटी की टीम भी मौजूद रही। बिजली आपूर्ति सुरक्षित रूप से बंद कर बचाव कार्य को तेजी से पूरा किया गया।

आग के कारणों की होगी जांच

प्रशासन के अनुसार, इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। समय रहते आग पर काबू पा लेने और त्वरित बचाव अभियान के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, इमारत को हुए नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है और जांच रिपोर्ट आने के बाद हादसे की वास्तविक वजह तथा नुकसान का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाएगा।

मैंने नहीं दी है एनओसी

अशोक खरात पर बन रही फिल्म को लेकर नोटिस भेजने की तैयारी में रूपाली चाकणकर

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक के बहुचर्चित वित्तीय घोटाले और सैकड़ों महिलाओं के यौन शोषण के आरोपी अशोक खरात के मामले ने एक बार फिर महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल ला दिया है। इस संवेदनशील और काले कारनामों के विषय पर बन रही आगामी फिल्म 'महाराष्ट्र एपस्टीन फाइल्स' के टीजर रिलीज के बाद, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। चाकणकर ने साफ किया है कि उन्होंने अपने जीवन या किरदार पर फिल्म बनाने के लिए किसी भी तरह की अनापत्ति प्रमाण पत्र या अनुमति नहीं दी है, और वे इस मामले में निमार्ताओं को कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी कर रही हैं। फिल्म के टीजर के मुताबिक, इस बायोपिक या सच्ची घटनाओं पर आधारित सिनेमा में अभिनेत्री दीपाली सैयद, रूपाली चाकणकर से प्रेरित भूमिका में नजर आने वाली हैं। इस पूरे घटनाक्रम पर पहली बार खुलकर बोलते हुए चाकणकर ने चेतावनी दी कि यह पूरा मामला अभी अदालत में लंबित है।

सलमान खान आवास गोलीबारी

अनमोल बिश्नोई 'निष्पक्ष सुनवाई' के लिए अदालत में आत्मसमर्पण का इच्छुक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने मुंबई की एक विशेष अदालत में अर्जी दायर कर 'निष्पक्ष सुनवाई और न्याय के हित में' 2024 में अभिनेता सलमान खान के घर पर हुई गोलीबारी के मामले में आत्मसमर्पण की बात कही है। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल को पिछले साल नवंबर में अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया था और बाद में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने उसे गिरफ़्तार किया। वह कई मामलों में वांछित था। वह सलमान खान के घर पर हुई गोलीबारी के मामले में वांछित आरोपी है, जिसकी जांच मुंबई पुलिस कर रही है। विशेष मकोका अदालत में दायर याचिका में अनमोल ने कहा कि वह 'निष्पक्ष सुनवाई और न्याय के हित में चल रहे मुकदमे का सामना करने और न्यायिक कार्यवाही में शामिल होने' के लिए स्वेच्छा से अदालत के सामने आत्मसमर्पण करना चाहता है। उसने कहा कि वह पहले से ही 'एक अन्य मामले में (एनआईए की) हिरासत' में हैं और अदालत के उचित आदेश के बिना वह अदालत के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सकता। अनमोल ने अदालत से अनुरोध किया कि उसे पेश करने के लिए तिहाड़ जेल को प्रोडक्शन वारंट जारी किया जाए।आवेदन में कहा गया कि मामले की सुनवाई शुरू हो चुकी है और उसकी अनुपस्थिति में तीन गवाहों से पहले ही पूछताछ की जा चुकी है।

गैरहाजिर अफसरों पर प्रशासन का शिकंजा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) अभियान शुरू किया गया है। इस कार्य में समय पर उपस्थित नहीं होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ मुंबई मनपा ने कड़ा रूख अपनाया है। अतिरिक्त मनपा आयुक्त (शहर) व अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी प्राजक्ता वर्मा-लवंगारे ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एसआईआर कार्य में गैर-हाजिर रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित बैठक में एसआईआर अभियान की प्रगति और सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई।

पहले अजान प्रतियोगिता कराई, अब याद आए राम?

उद्धव ठाकरे पर बरसे नितेश राणे

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर जुबानी जंग तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा राम मंदिर चंदा चोरी कांड को लेकर प्रस्तावित रामरक्षा विरोध प्रदर्शन ने सत्ता पक्ष को पूरी तरह से आक्रोशित कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी के विधायक और अपने आक्रामक बयानों के लिए मशहूर नितेश राणे ने इस मुद्दे पर उद्धव ठाकरे को आड़े हाथों लिया है और उनकी तुलना सीधे पाकिस्तान से कर दी है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए आए चढ़ावे और चंदे में कथित भ्रष्टाचार और चोरी के खिलाफ एक रामरक्षा आंदोलन शुरू करने का इरादा जताया है। ठाकरे गुट का कहना है कि वे इस आंदोलन के माध्यम से जनता के बीच जाएंगे और भगवान राम के नाम पर हो रही कथित लूट के खिलाफ हनुमान चालीसा और राम रक्षा का पाठ करेंगे। हालांकि, विपक्ष के इस कदम को भाजपा ने एक राजनीतिक ढोंग करार दिया है।

नितेश राणे का पाकिस्तानी एजेंट वाला बयान

ठाकरे के इस ऐलान पर प्रतिक्रिया देते हुए नितेश राणे ने बेहद कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने उद्धव ठाकरे को पाकिस्तान का एजेंट करार देते हुए कहा कि उन्हें राम मंदिर की याद अब आ रही है। राणे ने मीडिया से बात करते हुए कहा, उद्धव ठाकरे जैसे पाकिस्तानी एजेंट को अब जाकर राम मंदिर की याद आई है। राणे ने सीधे तौर पर ठाकरे की मंशा पर सवाल उठाए और इसे हिंदू विरोधी ताकतों की साजिश का हिस्सा बताया।

पुरानी यादें और अजान का विवाद

नितेश राणे ने उद्धव ठाकरे पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल की याद दिलाई। राणे ने हमला बोलते हुए कहा कि जब उद्धव ठाकरे खुद राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने लाउडस्पीकर पर अजान की अनुमति दी थी और अजान की प्रतियोगिता आयोजित करवाई थी। राणे के अनुसार, उस समय उन्हें न तो हमारे मंदिर याद आए और न ही हमारे भगवान। भाजपा नेता ने दावा किया कि जब सत्ता में थे तब ठाकरे ने हिंदुत्व के मुद्दों को दरकिनार कर दिया था और अब केवल राजनीतिक लाभ के लिए वे राम का नाम ले रहे हैं।

हिंदू राष्ट्र को बदनाम करने का आरोप

राणे ने अपने बयान में ठाकरे की भाषा की तुलना पाकिस्तान की भाषा से की। उन्होंने कहा कि जो भाषा पाकिस्तान हिंदू राष्ट्र को बदनाम करने के लिए इस्तेमाल करता है, वही भाषा अब उद्धव ठाकरे ने भी बोलनी शुरू कर दी है। राणे का तर्क है कि राम मंदिर जैसे पवित्र मुद्दे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर ठाकरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और हिंदू गौरव की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

राजनीतिक घमासान और जनता की नजर

राम मंदिर जैसे भावनात्मक मुद्दे पर शिवसेना ठाकरे गुट और भाजपा के बीच यह नई जंग शुरू हो गई है। नितेश राणे के इस बयान के बाद अब ठाकरे गुट की प्रतिक्रिया का इंतजार है, लेकिन सोशल मीडिया पर नितेश राणे के इस खतरनाक और तीखे बयान ने पहले ही बड़ी बहस छेड़ दी है। यह विवाद दर्शाता है कि आने वाले चुनावों से पहले महाराष्ट्र में धर्म, राष्ट्रवाद और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर संघर्ष और भी तेज होने वाला है।

हिंदमाता एंकर: किया था मर्डर का रिहर्सल, इसे दिया था धक्का.. पुलिस सूत्रों के अनुसार तीसरा युवक हिरासत में, क्राइम पेट्रोल देखने का भी दावा, डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी

केतन हत्याकांड में नया खुलासा.. सिया और चेतन के अलावा सहपाठी को भी मालूम थी कत्ल की साजिश!..

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस मामले में बीड जिले के एक युवक को हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि वह पुणे के बालेवाड़ी स्थित एक कंपनी में काम करता है और उसकी दोस्ती मुख्य आरोपी सिया गोयल या चेतन चौधरी में से किसी एक से थी। पुलिस को आशंका है कि सिया और चेतन ने हत्या की योजना इस युवक के साथ साझा की थी। हालांकि, उसकी पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। जांच एजेंसियां उसे मामले में गवाह बनाने पर विचार कर रही हैं।

देखा था क्राइम पेट्रोल शो का कई एपिशोड

जांच के दौरान एक और अहम खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि मुख्य आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी ने हत्या से पहले टीवी शो 'क्राइम पेट्रोल' के कई एपिसोड देखे थे। आरोप है कि दोनों ने यह समझने की कोशिश की कि अपराध करने के बाद जांच एजेंसियों को कैसे गुमराह किया जा सकता है और सबूतों से कैसे बचा जा सकता है। पुलिस ने गुरुवार को सिया गोयल के घर से घटना वाले दिन पहने गए कपड़े और कई डिजिटल साक्ष्य भी बरामद किए हैं। इसके अलावा सिया को पुणे के लुल्लानगर क्षेत्र स्थित एक पहाड़ी पर ले जाया गया, जहां पुलिस के मुताबिक उसने और चेतन चौधरी ने हत्या से पहले केतन को चट्टान से धक्का देने की 'रिहर्सल' की थी। वहां पंचनामा तैयार करने के बाद पुलिस सिया को उसके घर भी ले गई, जहां करीब 30 मिनट तक तलाशी अभियान चलाया गया।

18 जून को हुई थी लोहारगढ़ में हत्या

पुलिस के अनुसार, 18 जून को लोहागढ़ किले से गिरने के बाद केतन अग्रवाल की मौत हुई थी। शुरूआती तौर पर इसे हादसा माना गया था, लेकिन जांच में सामने आया कि केतन, सिया और चेतन के रिश्ते के बीच बाधा बन गया था। इसी वजह से दोनों ने उसकी हत्या की कथित साजिश रची। जांच में सामने आए घटनाक्रम के अनुसार, 31 मई को सिया ने कथित तौर पर हत्या की योजना बनाई। पुलिस का कहना है कि 11 फरवरी को सगाई के बाद केतन अक्सर सिया को घूमाने ले जाता था और ट्रैकिंग का शौकीन था। 5 जून को सिया ने फिर लोहागढ़ जाने का आग्रह किया, लेकिन केतन ने मना कर दिया क्योंकि दोनों 6 जून को बाली (इंडोनेशिया) जाने वाले थे। पुलिस का आरोप है कि सिया ने इसी दौरान केतन का पासपोर्ट छिपा दिया, जिससे यात्रा रद्द हो गई।

पहले भी हुई थी कत्ल की कोशिश

पुलिस का दावा है कि 14 जून को लोहागढ़ किले पर पहली बार हत्या की कोशिश की गई थी। आरोप है कि सिया ने केतन को चट्टान से धक्का दिया, लेकिन वह पेड़ में फंसकर बच गया। उस समय सिया ने कथित तौर पर कहा कि उसने सांप देखकर उसे बचाने के लिए धक्का दिया था। घर लौटने के बाद केतन ने अपने परिवार को बताया था कि सिया ने उसकी जान बचाई। इसके बाद 18 जून को, सिया के जन्मदिन से एक दिन पहले, केतन ने महाबलेश्वर के एक लग्जरी रिसॉर्ट में ठहरने की योजना बनाई थी। उससे पहले सिया ने उसे प्री-वेडिंग फोटोशूट के बहाने लोहागढ़ किले चलने के लिए राजी किया। पुलिस के मुताबिक, चेतन चौधरी भी उनका पीछा करते हुए वहां पहुंचा। आरोप है कि एक मौके पर जब केतन घाटी की ओर देख रहा था, तभी सिया और चेतन ने पीछे से उसे धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

केतन अग्रवाल मर्डर केस में कोडवर्ड का इस्तेमाल

पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने जांच आगे बढ़ाने के लिए दोनों आरोपियों की पुलिस हिरासत बढ़ाने की मांग की थी। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ए. एम. विभूते की अदालत में हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से अधिवक्ता राजश्री विरकुड ने दलील दी कि सिया गोयल के घर से एक वर्ष पुराना मोबाइल फोन बरामद किया गया है। इसके अलावा, आरोपी के मौजूदा मोबाइल से डिलीट किया गया डेटा भी रिकवर किया गया है।अभियोजन के अनुसार, बरामद चैट में कई जगह कोड वर्ड और निकनेम का इस्तेमाल किया गया है, जिन्हें समझने और जांच पूरी करने के लिए आरोपियों से आगे पूछताछ आवश्यक है।

विचार प्रवाह

मैं कभी-कभार ही अपनी कमियों के बारे में सोचती हूं, और वो मुझे कभी दुखी नहीं करते। शायद एक-आध बार थोड़ी पीड़ा होती है, पर वह फूलों के बीच में हवा के झोंके के समान अस्पष्ट है।

– हेलेन केलर

संपादकीय

इथेनॉल का मोल

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल,ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई-20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई-85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे-बगाहे पैदा होने वाले भू-राजनीतिक संकटों ने बार-बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं। निश्चय ही वाहनों में इथेनॉल को बढ़ावा देना देश में आयातित कच्चे तेल के दबाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। लेकिन इस बदलाव को सिरे चढ़ाने के लिए बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससे लोगों की आशंकाएं दूर हो सकें। जरूरत लोगों का भरोसा हासिल करने की है। भारत में इथेनॉल मिले तेल के उपयोग ने इससे होने वाले तमाम फायदों को साबित किया है। इससे काफी विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है। साथ ही देश में इथेनॉल का सशक्त उद्योग विकसित हुआ है। यदि बाजार में इथेनॉल पर लोगों का भरोसा बढ़ता है और इसकी मांग बढ़ती है तो इससे किसानों को कमाई के नये अवसर मिल सकते हैं। इथेनॉल की ज्यादा मांग होने पर गन्ने और मक्का का बाजार विस्तार लेगा। वहीं दूसरी ओर ई-85 की कीमत पारंपरिक पेट्रोल के मुकाबले कम रखने के फैसले से, उन उपभोक्ताओं को फायदा हो सकता है, जिनके पास इसके अनुकूल गाड़ियां है। भले ही इस फ्यूल की ईंधन दक्षता कम हो, लेकिन यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को संबल देगा। बहरहाल, इस उम्मीद के साथ ही, हमें हकीकत का भी ध्यान रखना है। दरअसल, ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियों ने इंजन की क्षमता, जंग लगने, ईंधन सिस्टम पर प्रभाव और इसकी दीर्घकालिक क्षमता को लेकर चिंताएं जतायी हैं। निस्संदेह, इन मुद्दों को सीधे खारिज करने के बजाय इन पर गंभीर रूप से मंथन करना चाहिए। अगर इन मुद्दों का निराकरण नहीं होता है तो भ्रम व संशय की स्थिति बनी रहेगी। जिसे अविलंब दूर करने की भी जरूरत है। इस वैकल्पिक ईंधन की सहज उपलब्धता के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर व गाड़ियों को इसके अनुरूप बनाना, वैकल्पिक ईंधन की गुणवत्ता के मानकों का निर्धारण तथा इससे जुड़े तकनीकी प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि बॉयोफ्यूल इतनी जल्दी फॉसिल फ्यूल का विकल्प नहीं बन सकता। इस बाबत पर्याप्त तैयारी, पारदर्शिता और सभी हितधारकों का सहयोग लेना जरूरी है। इस मामले में जल्दबाजी करने से बचा जाना चाहिए। यदि हम सजगता व सतर्कता से आगे बढ़ते हैं तो ई-85 एक सफल मॉडल बन सकता है। अन्यथा हम एक अच्छा मौका चूक सकते हैं।

आज का इतिहास

■ 1914 - वर्दुन का युद्ध समाप्त।

■ 1996 - रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन पुनः चार वर्ष हेतु राष्ट्रपति निर्वाचित।

■ 1997 - अमेरिकी यान 'सोजर्नर' मंगल ग्रह पर पहुंचा।

■ 1998 - चेक गणराज्य की याना नावोत्ना ने विम्बलडन टेनिस का एकल खिताब जीता, जापान ने मंगल ग्रह के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए 'प्लेनेट-बी' नामक अपना प्रथम अंतराग्रहिक मिशन भेजा, ब्रिटेन के एक पावरबोट 'द केबल एंड वायरलेस एडवेंचर' ने 74 दिन 20 घंटे व 38 मिनट में यात्रा पूरी करके सबसे शीघ्र विश्व भ्रमण का रिकार्ड तोड़ा।

■ 2001 - भारत द्वारा पाकिस्तान के नागरिकों (बंदियों) की रिहाई के निर्देश।

■ 2003 - पाकिस्तान में शिया मस्जिद पर हुए हमले में 44 मारे गये।

■ 2005 - आस्ट्रेलिया में डॉल्फिन की एक नई प्रजाति स्नबफिन खोजी गई।

■ 2006 - गांधी शांति पुरस्कार विजेता व भारत में जर्मनी के पूर्व राजदूत गरहार्ड फिशर का निधन।

■ 2007 - वेबसाइट सेंटिडो कॉमन के मुताबिक मैक्सिको के कॉर्लोस स्लिम दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने।

■ 2008 - लगभग आठ साल बाद चीन की मुख्य भूमि और ताईवान के बीच नियमित सीधी विमान सेवा का पहला विमान ताइवान के तायोयुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा।

■ 1957 - चिराग शेट्टी - भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

■ 1956 - लक्ष्मीकांत पारसेकर - भारतीय जनता पार्टी के सांसद और गोवा के बारहवें मुख्यमंत्री रहे हैं।

■ 1954 - देवेंद्र कुमार जोशी - अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के राज्यपाल हैं।

■ 1945 - सुशील कुमार (अभिनेता) - हिन्दी फिल्मों के अभिनेता।

■ 1943 - विमलेश कांति वर्मा - भाषाविज्ञान, कोश निर्माण, पाठालोचन, अनुवाद और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान करने वाले भारतीय।

■ 1933 - के. रोसैया - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ राजनीतिज्ञों में से एक हैं।

■ 1916 - नसीम बानो, हिन्दी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री।

■ 1912 - दक्षिणायनी वेलायुधन - भारतीय संविधान को बनाने में सहयोग देने वाली महिलाओं में से एक थीं।

■ 1898 - गुलजारीलाल नन्दा - भारत के भूतपूर्व कार्यवाहक प्रधानमंत्री

■ 1978 - अम्मू स्वामीनाथन - भारतीय संविधान को बनाने में सहयोग देने वाली महिलाओं में से एक थीं।

लोकतंत्र की यही कीमत?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई में एक पेड़ गिरने से स्कूल बस हादसे का शिकार हुई और 12 बच्चे घायल हो गए। इनमें एक 11 वर्षीय मासूम की मौत ने पूरे समाज को झकझोर देना चाहिए था। लेकिन इस दुखद घटना पर महाराष्ट्र के एक मंत्री की प्रतिक्रिया थी-"पेड़ गिरना एक प्राकृतिक घटना है।" यह केवल एक बयान नहीं, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के गिरते स्तर का आईना है। जिस देश को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और लोकतंत्र की जननी कहा जाता है, वहां इतनी सामान्य-सी प्रशासनिक लापरवाही से किसी बच्चे की जान चली जाए, यह शासन और व्यवस्था दोनों के लिए शर्म की बात होनी चाहिए।

नेतृत्व की योग्यता पर प्रश्न

इस मंत्री का नाम लेना आवश्यक नहीं। कारण यह नहीं कि किसी मानहानि का भय है, बल्कि इसलिए कि ऐसे बयान देने वाले व्यक्ति उस महत्व के भी नहीं रह जाते। दुखद यह है कि ऐसे लोग सत्ता के महत्वपूर्ण पदों तक पहुंच जाते हैं, जिनमें न सामाजिक संवेदना दिखाई देती है और न ही जनप्रतिनिधि बनने की बौद्धिक पात्रता। जब समाज ऐसे लोगों को चुनता है, तब ऐसे ही बयान सुनने पड़ते हैं। प्रश्न यह है कि आखिर इस स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है?

समाज की बदलती संवेदनाएं

■ यदि आज आचार्य अत्रे जैसे निर्भीक पत्रकार और साहित्यकार होते तो शायद ऐसे नेताओं को खुलकर फटकार लगाते। उनके समय में समाज अन्याय और असंवेदनशीलता के विरुद्ध आवाज उठाता था। आज स्थिति उलट गई है। अब जनप्रतिनिधियों के गैर-जिम्मेदाराना बयान का विरोध करने के बजाय लोग उन मीडिया संस्थानों की आलोचना करने लगते हैं जो ऐसे मामलों को उजागर करते हैं। यही कारण है कि गैर-जिम्मेदार नेताओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और उन्हें दंडित होने के बजाय राजनीतिक लाभ मिलता है। यह हमारी सामूहिक निष्क्रियता की सजा है।

क्या सब कुछ प्रकृति पर छोड़ दें?

■ यदि हर दुर्घटना को केवल "प्राकृतिक घटना" कहकर टाल दिया जाएगा, तो फिर सरकार और जनप्रतिनिधियों की आवश्यकता ही क्या रह जाएगी? जन्म और मृत्यु तो प्रकृति का नियम है, लेकिन नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन की जिम्मेदारी है। यदि प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़कर हर हादसे को प्रकृति का खेल बता देगा, तो समाज फिर उसी आदिम व्यवस्था की ओर लौट जाएगा, जहां शासन और प्रशासन जैसी कोई व्यवस्था नहीं थी।

जवाबदेही से बचने का तरीका

■ यदि पेड़ गिरना प्राकृतिक है, तो क्या परियोजनाओं की लागत बढ़ाना, ठेकों में भ्रष्टाचार करना, सरकारी धन की लूट करना और सत्ता के संरक्षण में छिपे रहना भी प्राकृतिक माना जाएगा? यही वे सवाल हैं जिनका जवाब जनता को अपने प्रतिनिधियों से मांगना चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि ऐसे सवाल पूछने वाला समाज अब बहुत कम दिखाई देता है। इसी कारण गैर-जिम्मेदार राजनीति लगातार फल-फूल रही है।

नागरिक मुद्दों से दूरी

■ इस शर्मनाक बयान के अगले ही दिन मुंबई में एक व्यक्ति खुले नाले में गिरकर जान गंवा बैठा। पिछले एक दशक में केवल मुंबई में पेड़ गिरने, खुले मैनहोल और ऐसी ही प्रशासनिक लापरवाही के कारण पचास से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद ये मुद्दे राजनीतिक विमर्श का हिस्सा नहीं बनते। चर्चा इस बात पर होती है कि कौन-सा नेता किस दल में जाएगा, कौन-सा दल टूटेगा और किसे कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा। ऐसे माहौल में जनप्रतिनिधियों से नागरिक सुविधाओं की चिंता करने की अपेक्षा कैसे की जा सकती है?

विकास की विकृत तस्वीर

■ आज शहरों में थोड़ी-सी बारिश होते ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। पहले ऐसी स्थिति केवल मूसलाधार वर्षा में बनती थी, लेकिन अब हल्की बारिश भी शहरों की पोल खोल देती है। इसके पीछे बिना योजना के खड़ी होती ऊंची इमारतें और वर्षा जल के प्राकृतिक निकास को समाप्त करती प्रशासनिक नीतियां जिम्मेदार हैं। विकास के नाम पर शहरों का प्राकृतिक संतुलन लगातार बिगाड़ा जा रहा है।

कंक्रीट और ठेकों की राजनीति

■ पहले केवल राष्ट्रीय राजमार्गों का कंक्रीटीकरण होता था, क्योंकि वहां भारी वाहनों का दबाव रहता है। अब छोटे गांवों की गलियों तक को कंक्रीट से भर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य बेहतर सड़कें बनाना नहीं, बल्कि नए-नए ठेके निकालना है। जनता को वास्तव में इन कामों की आवश्यकता हो या न हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। व्यवस्था का लक्ष्य केवल ठेकों के माध्यम से आर्थिक लाभ उठाना बन गया है।

कीमत जनता चुकाती है

■ इसका परिणाम यह है कि शहर बदहाल होते जा रहे हैं और गांवों की स्थिति भी खराब होती जा रही है। ईमानदारी से कर चुकाने वाला नागरिक ही इसकी सबसे बड़ी कीमत चुका रहा है। कोई खुले नाले में गिरकर मरता है, कोई कमजोर हो चुके पेड़ों के नीचे दब जाता है, कोई जलभराव में बह जाता है, कोई भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन या बस में जान गंवा देता है, तो कोई नकली डॉक्टरों और मिलावटी दवाओं का शिकार बनता है। व्यवस्था की हर विफलता का बोझ अंततः आम नागरिक ही उठाता है।

असल जिम्मेदार कौन?

■ सच्चाई यह है कि केवल नेता ही नहीं, समाज भी इस स्थिति के लिए बराबर जिम्मेदार है। पेड़ कटते हैं, पहाड़ खोदे जाते हैं, नए बने रास्ते कुछ ही दिनों में टूट जाते हैं, खेल के मैदान और पार्क समाप्त होकर वहां निर्माण खड़े हो जाते हैं-लेकिन समाज चुप रहता है। क्योंकि हर व्यक्ति केवल यह देखता है कि यह काम "अपने" लोगों ने किया है या "दूसरों" ने। जब नागरिक अच्छे-बुरे की जगह "अपने" और "पराए" के आधार पर निर्णय लेने लगते हैं, तब लोकतंत्र का स्तर भी वैसा ही हो जाता है। अंततः समाज को वही जनप्रतिनिधि मिलते हैं, जिनकी वह पात्रता रखता है। यही आज हमारी सबसे बड़ी विडंबना और सबसे कठोर सच्चाई है।

आंखनदेखी

तुर्की में समुद्री एवं कैबोटेज दिवस की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस्तांबुल के जलमार्गों में नौकाओं पर सवार लोग उत्साहपूर्वक जश्न मनाते नजर आए। इस ऐतिहासिक अवसर पर सैकड़ों नौकाओं की मौजूदगी ने समुद्री परंपरा, राष्ट्रीय गौरव और उत्सव के माहौल को जीवंत बना दिया।

पाकिस्तान से शांति की उम्मीद

● संवाद की पहल और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के 116 व्यक्तियों के एक समूह ने भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों को एक संयुक्त पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच संवाद फिर से शुरू करने और सौहार्दपूर्ण संबंधों की दिशा में प्रयास करने का अनुरोध किया है। इस पत्र की पहल भारतीय संगठन सेंटर फार पीस एंड प्रोग्रेस द्वारा की गई है।

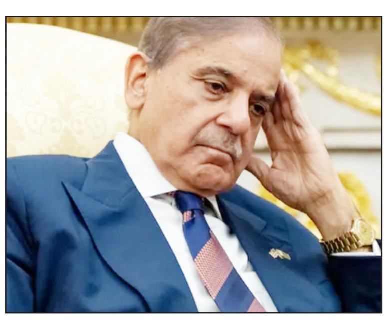

हस्ताक्षरकर्ता कौन

भारत की ओर से इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में जम्मू-कश्मीर के फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती जैसे पूर्व मुख्यमंत्री और अलगाववादी मीरवाइज उमर फारूक के नाम प्रमुख हैं। मणिशंकर अय्यर जैसे कुछ और प्रमुख नाम भी इस मुहिम से जुड़े हैं। पाकिस्तान से इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद कसूरी और भारत में पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अशरफ जहांगीर काजी जैसे नाम प्रमुख हैं। समय-समय पर अमन की आशा करने वाले कुछ और लोग भी इस अभियान से जुड़े हैं।

व्यावहारिक सवाल

इसमें शायद ही कोई संदेह हो कि इस अभियान से जुड़े लोगों की मंशा में कोई खोट है, क्योंकि भारत एवं पाकिस्तान के संबंधों का सामान्य होना दोनों ही देशों की जनता के हित में होगा। हालांकि समस्या इस मंशा की व्यावहारिकता में है, क्योंकि इस अभियान को छेड़ने वालों ने शांति की राह में मुख्य अवरोधक रहे पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान के उस रवैये का अनदेखा ही किया, जिसने भारत को सदैव शत्रु की दृष्टि से देखा है। यह स्वाभाविक ही है कि पाकिस्तानी हस्ताक्षरकर्ताओं से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे अपने देश की भारत के प्रति नकारात्मक नीतियों के बारे में इस सत्य को स्वीकार करें, लेकिन क्या भारतीय हस्ताक्षरकताओं को इस तथ्य की अनदेखी करनी चाहिए थी?

आतंकवाद का इतिहास

वे निश्चित रूप से जानते हैं कि 1947 में जब पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में कबाइली हमलावरों को भेजा था, तब से पाकिस्तान ने हमेशा हिंसा का प्रयोग कर जम्मू-कश्मीर को हथियाने की तमाम कोशिश की हैं। इसके लिए उसने 1965 और 1999 में दो युद्ध छेड़े। कारगिल युद्ध से पहले 1990 के दशक की शुरूआत से ही उसने भारत के खिलाफ आतंकवाद के उपयोग को अपनी अघोषित नीति बना लिया। इसके तहत लश्कर एवं जैश और अन्य तमाम छिटपुट आतंकी संगठनों को पोषित किया। इन आतंकी गतिविधियों ने भारत में जान-माल का भारी नुकसान करने के साथ ही समूचे क्षेत्र की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। अब जब यह पत्र सार्वजनिक हो चुका है तो इस पर भारतीय हस्ताक्षरकताओं से यह पूछा ही जाना चाहिए कि क्या वे इससे सहमत हैं कि पाकिस्तान ही दोनों देशों के बीच समस्याओं का जिम्मेदार है?

शिमला से लाहौर तक

भले ही यह माना जाए कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश के निर्माण के बाद पाकिस्तान की सेना को हराने के बाद शिमला समझौते पर हस्ताक्षर करके गलती की थी, लेकिन यह नकारा नहीं किया जा सकता कि इस समझौते के माध्यम से उन्होंने भारत-पाकिस्तान संबंधों को शांति और स्थिरता की राह पर बढ़ाने का ईमानदार प्रयास किया था। शिमला समझौते के करीब 25 साल बाद प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लाहौर का दौरा किया। पाकिस्तानी जनता को यह भरोसा दिलाने के लिए वे मीनार-ए-पाकिस्तान भी गए कि त्रासद विभाजन के बावजूद भारत पाकिस्तान की संप्रभुता को पूरी तरह स्वीकार करता है। उन्होंने वहां विजिटर्स बुक में यह भी लिखा कि एक स्थिर और समृद्ध पाकिस्तान भारत के हित में है।

पहल और जवाब

वाजपेयी की इस राजनयिक पहल का जवाब पाकिस्तान ने कारगिल युद्ध छेड़कर दिया और शांतिपूर्ण संबंधों की प्रक्रिया पटरी से उतर गई। वाजपेयी के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को अपनी भली मंशा के संकेत देने के लिए दिसंबर 2015 में काबुल से भारत लौटते समय लाहौर का दौरा किया और उस समय प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ से मिले। दस दिन बाद पाकिस्तान ने पठानकोट हमले को अंजाम दिया। यह विवरण यही स्मरण कराने के लिए है कि पत्र लिखने की मुहिम से जुड़े भारतीयों को इतना तो याद रखना चाहिए कि उड़ी हमले के बाद भारत का दृष्टिकोण एकदम स्पष्ट रहा है कि आतंकवाद और वार्ता एक साथ नहीं चल सकते। राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से यह पूरी तरह सही भी है। इस कसौटी को अनदेखा करते हुए भारतीय हस्ताक्षरकताओं ने एक ऐसे दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें आतंकवाद का उल्लेख भी नहीं है।

सिंधु जल समझौता

जहां तक सिंधु जल समझौते की बात है तो उसे निलंबित करने के पीछे भारत का उद्देश्य पाकिस्तान को यही स्पष्ट संदेश देना है कि वह इस भ्रम में न रहे कि उसकी ओर से निरंतर आतंकी घटनाओं के बावजूद भारत अपना उदार रवैया बनाए रखेगा। ऐसे में भारतीय हस्ताक्षरकताओं की पहल बहुत अफसोसजनक है। यह अपराधी को पीड़ित के साथ एक ही पलड़े पर रखने और पीड़ित से यह मांग करने जैसा है कि वह अपनी सुरक्षा के लिए कोई जवाबी उपाय न करे। क्या इससे अधिक हास्यास्पद कुछ हो सकता है?

पुराने प्रस्ताव

उक्त पत्र में उल्लिखित प्रस्ताव भी नए नहीं हैं। इनमें से अधिकांश भारत-पाकिस्तान समग्र संवाद प्रक्रिया का हिस्सा रहे हैं, जिस पर दोनों देशों ने सितंबर 1998 में पहली बार सहमति दी थी। वाजपेयी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान यह संवाद प्रक्रिया जारी रही, लेकिन आतंकी हमलों के चलते ठोस परिणाम सामने नहीं आ सके। कारण स्पष्ट है कि किसी बड़े आतंकी हमले के बाद भारत सरकार भला क्यों संवाद प्रक्रिया जारी रखे? इससे जनाक्रोश ही बढ़ेगा।

मूल समस्या

पत्र से जुड़े लोग इससे भी भलीभांति परिचित होंगे कि पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान का केंद्र हमेशा से सेना रही है और वर्तमान सेना प्रमुख तो इतने शक्तिशाली बना दिए गए हैं कि उन्हें फील्ड मार्शल की पदवी प्राप्त हो चुकी है। उनका भारत के प्रति घोर शत्रुतापूर्ण दृष्टिकोण किसी से छिपा नहीं रहा। पहलगाम हमले से चंद दिनों पहले ही उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान का निर्माण द्विराष्ट्र सिद्धांत के आधार पर हुआ था, जो यह मानता है कि हिंदू और मुस्लिम अलग-अलग कौम और शत्रुतापूर्ण राष्ट्र हैं। इस सिद्धांत के अनुसार तो दोनों देश सदैव एक-दूसरे के शत्रु रहेंगे। ऐसे में पाकिस्तानियों से यह पूछना उचित होगा कि इस सिद्धांत पर उनके क्या

प्रेरक प्रसंग

फिजूलखर्ची

विश्वास एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। घर की आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक थी, लेकिन वह खर्च के मामले में बेहद सख्त स्वभाव का था। उसकी पत्नी शारदा हमेशा सोच-समझकर पैसे खर्च करती थी। जरूरतमंदों की मदद करना और धार्मिक कार्यों में सहयोग देना उसे अच्छा लगता था। दोनों के विचार अक्सर पैसे के उपयोग को लेकर अलग-अलग होते थे। एक दिन शारदा अपनी पड़ोसन शर्मा जी के घर गई हुई थी। तभी वहां गौशाला के लिए दान एकत्र करने वाले कुछ लोग पहुंचे। बातचीत के दौरान पता चला कि दो दिन बाद विश्वास के स्वर्गीय पिता की बरसी थी। श्रद्धा और सम्मान के भाव से शारदा ने उनके नाम पर 501 रुपए का दान दे दिया। उसे लगा कि यह राशि किसी अच्छे काम में लगेगी और दिवंगत ससुर की स्मृति को भी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शाम को जब विश्वास घर लौटा तो शारदा ने मुस्कुराते हुए सारी बात बताई। यह सुनते ही विश्वास का चेहरा तमतमा उठा। वह ऊंची आवाज में बोला, 'तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है क्या? मैं दिन-रात मेहनत करके पैसे कमाता हूं और तुम बिना पूछे दान बांटती फिरती हो। आगे से ऐसी फि जूलखर्ची बिल्कुल मत करना। विश्वास की डांट सुनकर शारदा चुप हो गई। उसे दुख तो बहुत हुआ, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। वह सोचती रही कि यदि किसी नेक काम में थोड़ी-सी मदद करना फि जूलखर्ची है, तो शायद उसकी सोच ही गलत होगी। चार दिन बाद दोनों रिश्तेदार ब्रजेश की शादी में शामिल होने गए। बारात पूरे उत्साह के साथ निकल रही थी। तेज संगीत बज रहा था और बाराती शराब के नशे में झूम-झूमकर नाच रहे थे। तभी विश्वास भी जोश में आ गया। उसने जेब से नोटों की मोटी गड्डी निकाली और घोड़ी के आगे नाचते लोगों पर हवा में नोट उछालने लगा। लोग तालियां बजाने लगे और उड़ते नोट लूटने के लिए टूट पड़े। कुछ ही क्षणों में हजारों रुपए हवा में बिखर गए।

■ थोड़ी दूर खड़ी शारदा यह दृश्य चुपचाप देखती रही। उसके मन में कई सवाल उठ रहे थे। जिस व्यक्ति ने गौशाला के लिए दिए गए 501 रुपए को फि जूलखर्ची कहा था, वही आज दिखावे और क्षणिक वाहवाही के लिए हजारों रुपए लुटा रहा था। घर लौटते समय शारदा ने कुछ नहीं कहा।

■ उसकी खामोशी ही सबसे बड़ा सवाल थी। वह आज भी समझ नहीं पा रही थी कि सच्ची फि जूलखर्ची आखिर किसे कहते हैं-किसी पुण्य कार्य में लगाया गया धन या दिखावे के लिए उड़ाया गया पैसा? यही प्रश्न विश्वास की सोच और समाज की दोहरी मानसिकता पर गहरी चोट कर रहा था।

राशिफल

मेष– यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

वृषभ–परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मिथुन– आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

कर्क– आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। थकान व कमजोरी रहेगी।

सिंह– नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

कन्या– बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

तुला–प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर अधिक व्यय होगा।

वृश्चिक– स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। जोखिम न उठाएं। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

धनु– रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। रोजगार मिलेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कानूनी अड़चन सामने आएगी।

मकर– मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें।

कुंभ– व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे।

मीन–उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा।

भगवान के घर 'अंधेर' है... जांच में देर है

प्रधानमंत्री ने राम मंदिर निर्माण का श्रेय लिया, 'चढ़ावा चोरी' की जिम्मेदारी भी लेनी होगी: कांग्रेस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस ने शुक्रवार को अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में सच्चाई छिपाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंदिर निर्माण का श्रेय लिया है तो अब उन्हें इस प्रकरण की जिम्मेदारी भी लेनी हेगी। पार्टी प्रवक्ता रागिनी नायक ने यहां संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि राम मंदिर में 40 दिनों के भीतर 70 बार 'चोरी' हुई, लेकिन इस मामले में अब तक पूरी सच्चाई सामने नहीं आई है।

■ उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने दबाव में आकर एसआईटी का गठन किया गया लेकिन आखिर क्या कारण है कि उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जा रही है। आखिर किसे बचाने की कोशिश हो रही है? नायक ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर निर्माण का श्रेय लिया था, लेकिन अब चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब श्रेय लिया है तो चोरी की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। यह जनता के साथ विश्वासघात है।

■ कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि बड़े मामलों में अक्सर छोटे लोगों की गिरफ्तारी हो जाती है, जबकि 'बड़ी मछलियों' को बचा लिया जाता है। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में भाजपा के कुछ लोग इसे 'आपसी मामला' बताकर निपटाने की बात कर रहे हैं, जबकि मंदिर में देश के गरीब से गरीब और अमीर से अमीर व्यक्ति ने अपनी क्षमता के अनुसार चढ़ावा चढ़ाया है। नायक ने कहा कि यह किसी की बपौती नहीं है। प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर जनता के सामने आकर जवाब देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और मामले की निष्पक्ष तथा पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाए।

बागेश्वर धाम में दो अज्ञात व्यक्तियों के मिले शव, जांच में जुटी पुलिस

हिंदमाता नेटवर्क @ छतरपुर

बागेश्वरधाम में दो अज्ञात व्यक्तियों के शव मिलने का मामला सामने आया है। घटना जिले के बमीठा थाना क्षेत्र के बागेश्वर धाम गढ़ा गांव की है जहां शुक्रवार सुबह प्रवचन पंडाल के नीचे दो अज्ञात व्यक्तियों के शव मिले हैं। सूचना मिलने पर बमीठा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों अज्ञात व्यक्तियों के शवों का मौके पर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए राजनगर स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। फिलहाल दोनों व्यक्तियों के शवों को राजनगर स्वास्थ्य केंद्र मे पहचान के लिए रखा गया है। मृतकों में एक व्यक्ति की उम्र 35 साल एवं दूसरे व्यक्ति की उम्र 60 साल के करीब

बताई जा रही है। बमीठा थाना पुलिस मामले में मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

ममलेश्वर मंदिर की दान राशि पर उठे सवाल, एक साल से सार्वजनिक नहीं हुआ आय-व्यय का हिसाब

ओंकारेश्वर के नर्मदा के दक्षिणी तट पर विराजित भगवान ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन, पूजन एवं नर्मदा स्नान के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुरूप मंदिर में स्थापित दान पेटियों में दान करते हैं, लेकिन पिछले लगभग एक वर्ष से इन दान पेटियों में एकत्र हो रही राशि के संबंध में सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध नहीं होने से पारदर्शिता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मंदिर का संरक्षण एवं रखरखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किया जाता है, जबकि देवी अहिल्याबाई होलकर की परंपरा के अनुसार आज भी भगवान की तीनों समय की पूजा, आरती एवं धार्मिक व्यवस्थाओं का निर्वहन किया जा रहा है।

एक वर्ष पूर्व ममलेश्वर मंदिर में दान पेटियां लगवाई गई थी

लगभग एक वर्ष पूर्व खंडवा जिला प्रशासन के निर्देश पर तत्कालीन पुनासा एसडीएम शिवम प्रजापति के कार्यकाल में ममलेश्वर मंदिर में दान पेटियां स्थापित कर मंदिर प्रबंधन समिति का गठन किया गया था। उद्देश्य यह बताया गया था कि श्रद्धालुओं से प्राप्त दान राशि का उपयोग मंदिर परिसर के विकास, श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा।

कितना चढ़ावा आता इसकी जानकारी नहीं

अब मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य, संत समाज तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने दान राशि के आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण जारी करने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि प्रत्येक माह दान पेटियां खोली जाती हैं, लेकिन अब तक यह जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई कि कुल कितनी राशि प्राप्त हुई, वह किस बैंक खाते में जमा की गई और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया।धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों का भी मानना है कि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित प्रत्येक रुपए का पारदर्शी लेखा-जोखा समय-समय पर सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इससे श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत होगा तथा किसी प्रकार की भ्रांति या विवाद की स्थिति भी उत्पन्न नहीं होगी।

दान राशि का पूरा आय-व्यय सार्वजनिक किया जाना चाहिए

महंत मंगलदास त्यागी ने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था से प्राप्त दान जनता की अमानत है। इसलिए दान राशि का पूरा आय-व्यय सार्वजनिक किया जाना चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने कहा कि ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में प्राप्त दान राशि का उपयोग श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए किया जाना चाहिए। चूंकि मंदिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन है, इसलिए वहां किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य बिना अनुमति के नहीं किया जा सकता।

पारदर्शिता लोकतांत्रिक जवाबदेही का महत्वपूर्ण हिस्सा

भाजपा नगर अध्यक्ष संतोष वर्मा ने कहा कि यदि मंदिर प्रबंधन समिति गठित है, तो उसके सदस्यों, बैठकों, दान राशि, व्यय तथा शेष राशि का विवरण समय-समय पर सार्वजनिक किया जाना चाहिए। ममलेश्वर मंदिर में सिंहस्थ-2016 के बाद श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधाओं में कोई विशेष सुधार नहीं हुआ है। इतनी बड़ी दान राशि आने के बावजूद उसका उपयोग श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर होना चाहिए, लेकिन अब तक यह भी सार्वजनिक नहीं किया गया कि दान पेटियों में कुल कितनी राशि प्राप्त हुई है। प्रशासन को दान पेटियां स्थापित किए हुए एक वर्ष हो चुका है।

दान व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता हो-दूल्हे सिंह

दूल्हे सिंह दरबार (सदस्य, ममलेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति) ने कहा कि दान पेटियां प्रत्येक माह खोली जाती हैं और चढ़ावे की राशि की जानकारी मौखिक रूप से दी जाती है, लेकिन कुल राशि, बैंक खाते, जमा प्रक्रिया और व्यय का विस्तृत विवरण समिति के सदस्यों को भी उपलब्ध नहीं कराया जाता। केवल मोबाइल पर एसएमएस आता है कि 15 लाख या 16 लाख रुपए प्राप्त हुए हैं। उन्होंने दान व्यवस्था में पूर्ण पारदर्शिता की मांग की।

आपसे ही है अंतिम आस, वरना ध्वस्त हो जाएगा लोकतंत्र

सीजेआई सूर्यकांत से इंडिया गठबंधन की ये कैसी गुहार?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन ने देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत को लिखे अपने पत्र का पूरा टेक्स्ट शुक्रवार को जारी किया। इसमें आरोप लगाया गया है कि चुनावी प्रक्रिया में हेर-फेर की जा रही है और चेतावनी दी गई है कि अगर न्यायपालिका ऐसी चिंताओं पर कोई कदम नहीं उठाती है, तो यह 'लोकतंत्र के पूरी तरह से ध्वस्त होने' का संकेत होगा। विपक्षी गठबंधन ने इस पत्र में कहा है कि जब सभी संस्थागत तंत्र विफल हो जाते हैं तो नागरिकों की अंतिम उम्मीद न्यायपालिका ही होती है। पिछले महीने की 28 जून को विपक्ष के 23 दलों के नेताओं ने यह पत्र लिखा था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कई अन्य नेताओं ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं। छह पेज के इस पत्र में कहा गया है कि आम तौर पर वे चीफ जस्टिस को पत्र नहीं लिखते। पत्र में कहा गया कि क्योंकि हमारा लोकतंत्र खतरे में है, इसलिए हमने यह असामान्य रास्ता चुना है। न्यायपालिका से उठाए गए मुद्दों पर विचार करने का आग्रह करते हुए विपक्ष ने पत्र में लिखा है कि जब बाकी सब रास्ते बंद हो जाते हैं, तब भी लोग न्यायपालिका पर भरोसा करते हैं। इसलिए, जब न्यायपालिका कोई प्रतिक्रिया नहीं देती, तो यह लोकतंत्र के पूरी तरह से विफल होने का संकेत है। जब संस्थागत व्यवस्थाएं पूरी तरह से विफल हो जाती हैं, तो लोकतंत्र अराजकता में बदल जाता है।

अब हम किसके पास जाएं?

चिट्ठी में आगे कहा गया है कि इसलिए, यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम यह सुनिश्चित करें कि संस्थाओं में लोगों का भरोसा बना रहे। और इसके लिए संस्थाओं को अपनी भूमिका निभानी होगी। हम न्यायपालिका पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। असल में, जब हर व्यवस्था विफल हो जाती है, तब हम अदालतों का रुख करते हैं। जब यह भी विफल हो जाती है, तो यह सवाल उठता है कि अब हम किसके पास जाएं?

सहयोगात्मक व्यवस्था से ही लोकतंत्र मजबूत

पत्र में कहा गया है कि संसद, न्यायपालिका, मीडिया और कार्यपालिका लोकतंत्र के प्रमुख स्तंभ हैं तथा इन संस्थाओं के बीच सहयोगात्मक व्यवस्था से ही लोकतंत्र मजबूत रह सकता है। उन्होंने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों को लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद बताते हुए कहा कि चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी जनता की असली इच्छा को प्रभावित कर सकती है।

रक्फ्रकी प्रक्रिया पर सवाल

पत्र में निर्वाचन आयोग और विशेष रूप से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा कराई जा रही मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि बिहार में शुरू की गई इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूचियों की शुचिता सुनिश्चित करना बताया गया, लेकिन इसके क्रियान्वयन के कारण बड़ी संख्या में मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने की आशंका पैदा हुई। पत्र में दावा किया गया है कि दस्तावेज आधारित सत्यापन प्रक्रिया गरीबों, अशिक्षितों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और प्रवासी श्रमिकों के लिए 'बहिष्कार वाली' साबित हुई।

नागरिक आखिर किस संस्था की ओर देखें

इसमें यह भी आरोप लगाया गया कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक भ्रम, पारदर्शिता की कमी और नियमों में बार-बार बदलाव जैसी समस्याएं सामने आईं। 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं ने पत्र में कहा कि जब अन्य सभी संस्थागत व्यवस्थाएं विफल हो जाती हैं तो लोग न्यायपालिका में अंतिम भरोसा रखते हैं। उन्होंने न्यायपालिका पर भरोसा जताते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसी लंबित मामले को प्रभावित करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को मजबूत करना है। पत्र के अंत में नेताओं ने कहा कि यदि न्यायपालिका भी लोगों की चिंताओं का समाधान करने में विफल रहती है, तो यह प्रश्न खड़ा होता है कि नागरिक आखिर किस संस्था की ओर देखें।

धार्मिक जुलूस में घुसा तेज रफ्तार पिकअप...

10 बौद्ध भिक्षुकों की दर्दनाक मौत

■ पांच भिक्षुओं की हालत गंभीर, जांच जारी
■ 11 वर्षीय बच्चा चला रहा था पिकअप ट्रक

हिंदमाता नेटवर्क @ बैंकॉक

थाईलैंड में एक दर्दनाक सड़क हादसे में करीब 10 बौद्ध भिक्षुकों की दर्दनाक मौत हो गई, वही पांच के हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। सभी को नजदीकी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि, जिस वाहन ने भिक्षुकों को टक्कर मारी है, उसे एक महज 11 साल का बच्चा चला रहा था। घटना देश के उत्तर-पूर्वी प्रांत मुकदाहान में सामें आई है। यह इलाका राजधानी बैंकॉक से लगभग 650 किलोमीटर दूर स्थित है। घटना स्थानीय समयानुसार करीब 11 बजे घटित हुई।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना, भागते दिखे भिक्षुक

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, 34 बौद्ध भिक्षु और पांच श्रद्धालु एक मंदिर से पड़ोसी उबोन रत्चाथानी प्रांत के दूसरे मंदिर तक पैदल धार्मिक यात्रा पर निकले थे। इसी दौरान एक पिकअप ट्रक अनियंत्रित होकर जुलूस में घुस गया। घटनास्थल से सामने आए सीसीटीवी फुटेज में भगवा वस्त्र पहने भिक्षुओं को सड़क पर चलते हुए देखा जा सकता है, तभी तेज रफ्तार ट्रक उन्हें कुचल देता है। हादसे के बाद सड़क पर घायल लोग और भिक्षुओं का सामान बिखरा हुआ दिखाई दिया।

पांच भिक्षुओं की मौके पर ही मौत

मुकदाहान प्रांत के गवर्नर वोरायन बुनारत ने बताया कि पांच भिक्षुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। (10 Buddhist monks killed in a tragic road accident) बाद में एक अन्य घायल भिक्षु की भी मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई। कम से कम 5 अन्य भिक्षुओं की हालत गंभीर बनी हुई है।

11 वर्षीय बच्चा चला रहा था पिकअप ट्रक

पुलिस जांच में सामने आया है कि 11 वर्षीय बच्चे ने अपने माता-पिता की पिकअप ट्रक बिना इजाजत के निकाल ली थी। लगभग 10 किलोमीटर तक वाहन चलाने के बाद उसने कंट्रोल खो दिया और ट्रक सीधे धार्मिक जुलूस में जा घुसा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल किसी के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया है। बच्चा अभी भी गहरे सदमे में है और पुलिस उसका बयान दर्ज नहीं कर सकी है।

गवर्नर ने जताया गहरा दु:ख

गौरतलब है कि, थाईलैंड में बौद्ध धर्म का विशेष महत्व है और देश की 93 प्रतिशत से अधिक आबादी बौद्ध धर्म का पालन करती है। बौद्ध भिक्षुओं को समाज में अत्यधिक सम्मान प्राप्त है और उनके धार्मिक जुलूसों तथा सार्वजनिक गतिविधियों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। गवर्नर वोरायन बुनारत ने इस हादसे को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि यह पूरे समाज के लिए एक सबक है। उन्होंने विशेष रूप से अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को बिना अनुमति वाहन चलाने से रोकें ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। बता दें कि, थाईलैंड दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां सड़क दुर्घटनाओं की दर काफी अधिक है। तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाना और यातायात नियमों का कमजोर पालन वहां सड़क हादसों की प्रमुख वजहें मानी जाती हैं।

कोलकाता में बोले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

नए विधायकों में सीखने-समझने की ललक होनी चाहिए

पंकज नाथ @ कोलकाता

भारतीय संसदीय लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर अधिक परिपक्व और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए शुक्रवार को दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम (प्रशिक्षण सत्र) का शुभारंभ हुआ। कोलकाता के राजारहाट न्यूटाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ओम बिरला ने किया। उद्घाटन सत्र में बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सहित देश के कई राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष व वरिष्ठ सांसद उपस्थित रहे।

ओम बिरला ने क्या कहा?

प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नए सदस्यों को उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए कहा कि प्रत्येक विधायक अपने क्षेत्र के साथ ही राज्य की सामूहिक आकांक्षा के प्रतिनिधि हैं। बंगाल की आम जनता की आशाएं पूरी करते हुए अंतिम व्यक्ति के जीवन को बदलना उनका लक्ष्य होना चाहिए। नवनिर्वाचित विधायकों में सीखने-समझने की ललक और नवाचार की चाह होनी चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि नवनिर्वाचित सदस्य अधिक से अधिक समय तक सदन में बैठें, अन्य विधायकों के वक्तव्यों को सुनें। विधायक पुराने व अनुभवी सदस्यों के अनुभव से सीखें, पुरानी कार्यवाहियों का अध्ययन करें। आज एआई तकनीक और डिजिटलाइजेशन के समय में विधायी सदस्य अपने आप को अपडेट रखें।

असम में छोटे चाय किसानों के लिए नया अध्याय

विश्वनाथ और बिहाली से किसान पंजीकरण अभियान की शुरुआत

पंकज नाथ @ असम

असम सरकार के कृषि एवं जलसिंचन विभाग के मंत्री पीयूष हजारिका ने शुक्रवार को विश्वनाथ ज़िले के दो अलग-अलग कार्यक्रमों में छोटे चाय उत्पादकों के किसान पंजीकरण की औपचारिक शुरुआत की। यह अभियान पूरे असम में चल रहे किसान पंजीकरण पोर्टल से जुड़ा है, जिसमें अब चाय और प्लांटेशन श्रेणी की जमीन को भी शामिल किया गया है, ताकि छोटे चाय उत्पादकों को आधिकारिक किसान पहचान (Farmer ID) मिल सके। पहला कार्यक्रम बिहाली क्षेत्र में आयोजित सभा से शुरू हुआ, जहां मंत्री पीयूष हजारिका ने उपस्थित छोटे चाय किसानों को संबोधित करते हुए समझाया कि किसान पंजीकरण के माध्यम से उन्हें किस प्रकार सरकारी योजनाओं और सुविधाओं से सीधे जोड़ा जाएगा। इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, पूर्व विधायक, बागान और कृषि क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोग तथा किसान संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बिहाली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले छोटे चाय उत्पादकों के लिए यही मंच पंजीकरण प्रक्रिया के औपचारिक शुभारंभ का आधार बना।दूसरा प्रमुख कार्यक्रम विश्वनाथ चारिआली के कमलाकांत नाट्य

समाज प्रेक्षागृह में हुआ, जहां कृषि मंत्री ने फिर से छोटे चाय किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने पहली बार छोटे चाय उत्पादकों को औपचारिक रूप से किसान के रूप में मान्यता दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसान पंजीकरण के माध्यम से इन उत्पादकों को पीएम-किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, कृषि यंत्रों पर अनुदान, उर्वरक तथा अन्य कृषि संबंधी सरकारी सुविधाओं का लाभ एक ही प्लेटफॉर्म से मिल सकेगा। मंत्री ने सभी पात्र छोटे चाय उत्पादकों से शीघ्र पंजीकरण कराने की अपील भी की। राज्य सरकार द्वारा विकसित किसान पंजीकरण पोर्टल एक केंद्रीकृत डिजिटल डाटाबेस है, जिसमें किसान की व्यक्तिगत जानकारी, आधार और भूमि अभिलेख जुड़ते हैं, ताकि सब्सिडी, क्रॉप बीमा और विभिन्न कृषि योजनाओं तक उनकी सहज पहुँच सुनिश्चित हो सके। चाय और प्लांटेशन वर्ग की जमीन को इस पोर्टल में शामिल करने के फैसले को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और कृषि मंत्री पीयूष हजारिका ने छोटे चाय उत्पादकों के लिए 'ऐतिहासिक कदम' बताया है, क्योंकि इससे उन्हें औपचारिक किसान पहचान, सस्ती दरों पर ऋण और योजनाओं का लाभ बिना बिचौलियों के मिल सकेगा।

हिंदमाता एंकर: अश्विनी वैष्णव ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को लेकर मेटा को तुरंत तलब करें और जवाब मांगें...

इंस्टाग्राम Ads पर सरकार सख्त: विज्ञापनों में बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट दिखाने का आरोप...

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मेटा पर इस समय सरकार की कड़ी नजर है। सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार को आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री (CSAM) को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को लेकर मेटा को तुरंत तलब करें और जवाब मांगें। लेकिन यहां बात सिर्फ इंस्टाग्राम तक ही सीमित नहीं है। बीते बुधवार को सरकार व्हाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर भी कंपनी को नोटिस जारी कर चुकी है।

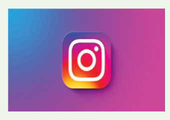

Instagram Ads मामले में Meta से मांगा जाएगा जवाब

सूत्रों की मानें तो आईटी मंत्रालय मेटा से यह स्पष्ट करने को कह सकता है कि इंस्टाग्राम पर ऐसे विज्ञापन कैसे दिखाई दिए, जिनका संबंध कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट से था। इसके अलावा सरकार यह भी जानना चाहती है कि ऐसे मामलों को रोकने के लिए कंपनी ने कौन-कौन से सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। साथ ही विज्ञापन समीक्षा प्रक्रिया कैसे काम करती है, इस पर भी जवाब मांगा जा सकता है।

एक ही हफ्ते में दूसरी बार सरकार के निशाने पर मेटा

यह कोई पहली बार नहीं है, जब सरकार ने मेटा से सख्त रुख अपनाया हो, इससे पहले भी बुधवार को केंद्र सरकार ने व्हाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर कंपनी को नोटिस दिया था, हालांकि अभी तक आईटी मंत्रालय ने दूसरी बार नोटिस दिया नहीं है, लेकिन तैयारी जरुर है। व्हाट्सएप यूजरनेम फीचर पर सरकार ने आशंका जताई थी कि यह ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, डिजिटल अरेस्ट स्कैम और फर्जी पहचान बनाकर होने वाले साइबर हमलों को बढ़ावा दे सकता है।

व्हाट्सएप फीचर पर क्या निर्देश दिए गए?

सरकार ने मेटा से कहा था कि जब तक इस मुद्दे पर सरकार के साथ संतोषजनक स्तर पर बातचीत पूरी नहीं हो जाती, तब तक व्हाट्सएप का यूजरनेम फीचर लॉन्च न किया जाए। साथ ही मेटा से यह भी पूछा गया कि अगर इस फीचर से साइबर अपराध बढ़ने की आशंका है, तो उसके खिलाफ आईटी एक्ट और संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।

आईटी नियमों की भी दिलाई गई याद

इतना ही नहीं, सरकार ने मेटा को यह भी याद दिलाया कि व्हाट्सएप भारत में एक महत्वपूर्ण सोशल मीडिया इंटरमीडियरी (Significant Social Media Intermediary) के रूप में आईटी एक्ट और आईटी रूल्स के तहत तय सभी ड्यू डिलिजेंस (Due Diligence) दायित्वों का पालन करने के लिए बाध्य है। यानी कंपनी की जिम्मेदारी केवल नए फीचर लॉन्च करना नहीं, बल्कि यूजर्स की सुरक्षा और संभावित दुरुपयोग को रोकना भी है। अगर मेटा को औपचारिक रूप से बुलाया जाता है, तो कंपनी को इंस्टाग्राम विज्ञापन प्रणाली, कंटेंट मॉडरेशन और सुरक्षा उपायों पर अपना पक्ष रखना होगा। वहीं, व्हाट्सएप यूजरनेम फीचर पर भी सरकार और मेटा के बीच आगे की चर्चा के बाद ही अगला फैसला लिया जा सकता है।

सरकार की चिंता क्या है?

■ इन मामलों में सरकार का फोकस मुख्य रूप से दो बड़े मुद्दों पर है, जो इस प्रकार हैं...

■ बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और संवेदनशील कंटेंट की रोकथाम।

■ नए डिजिटल फीचर्स के जरिए बढ़ सकने वाले साइबर अपराधों पर नियंत्रण।

■ इसी वजह से Instagram Ads और व्हाट्सएप यूजरनेम फीचर, दोनों मामलों में मेटा से विस्तृत जवाब मांगा जा रहा है।

राम भक्तों की भावना आहत-आरएसएस

चढ़ावा चोरी पर आरएसएस का पहला बयान

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

, कहा- अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर आरएसएस का पहला बयान आया है। इसमें कहा गया है कि इस घटना से राम भक्तों की भावना को चोट पहुंची है। ऐसे में दोषियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरफ से सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बयान जारी किया है। बयान में लिखा है कि, 'राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष और करोड़ों रामभक्तों के समर्पण, त्याग एवं बलिदान के कारण संपूर्ण हिन्दू समाज के लिए श्रद्धा, आस्था और भक्ति का केन्द्र बना है।' आगे लिखा गया है कि रामलला मंदिर में रखे हुए दान पात्रों में जमा राशि की चोरी दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे समूचे समाज और राम भक्तों की भावना और श्रद्धा को आघात पहुंचा है। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष जांच दल का गठन किया है। जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे उन्हें कड़ी सजा मिले, ये जरूरी है। बयान में आगे लिखा गया है कि आरएसएस और पूरे हिंदू समाज की यह स्वाभाविक उम्मीद है कि राम मंदिर के दान से जुड़ी चोरी जैसी गंभीर घटना को हल्के में नहीं लिया जाएगा। इसे एक असाधारण मामला मानकर मंदिर की व्यवस्था और प्रबंधन में जो भी कमियां हैं, उन्हें तुरंत दूर किया जाएगा, ताकि करोड़ों रामभक्तों का मंदिर पर भरोसा और आस्था बनी रहे। संघ का कहना है कि अभी लोगों के बीच भ्रम और सवालों की स्थिति है, जिसे खत्म करना जरूरी है। इसके लिए मंदिर प्रबंधन और सरकार द्वारा बनाई गई विशेष जांच टीम सभी जरूरी कदम उठाए। संघ ने भरोसा जताया कि अगर वित्तीय व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी हो, मंदिर का संचालन सही ढंग से हो और धार्मिक पवित्रता बनी रहे, तो श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट हिंदू समाज के विश्वास और आस्था को पहले की तरह मजबूत बनाए रखेगा।

क्या है चंदा चोरी का मामला

बीते दिनों राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामना आया। मंदिर में व्यवस्था देखने वाले अलग-अलग लोग इसमें शामिल पाए गए हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के ड्राइवर टिन्नू यादव समेत 8 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इसमें मंदिर का चंदा गिनने वाले लोग शामिल हैं।

कलयुग से ज्यादा छलयुग!

राम मंदिर मामले में धीरेंद्र शास्त्री का बड़ा बयान, बोले- मठ-मंदिरों को बना रहे निशाना

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

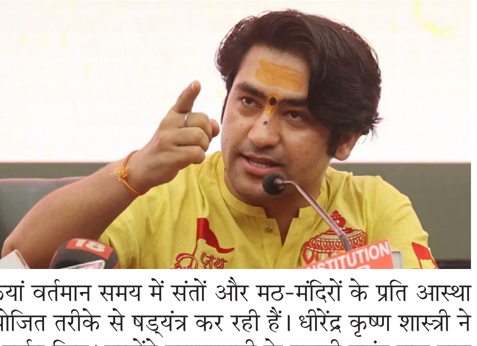

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने अयोध्या दौरे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हमें देश की न्याय-व्यवस्था और सरकार पर पूरा भरोसा है और कहा कि सभी दोषियों को सजा मिलेगी। साथ ही, धीरेंद्र शास्त्री ने आरोप लगाया कि कुछ शक्तियां वर्तमान समय में संतों और मठ-मंदिरों के प्रति आस्था और श्रद्धा गिराने के मकसद से सुनियोजित तरीके से षड्यंत्र कर रही हैं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शुक्रवार को अयोध्या में हनुमानगढ़ी के दर्शन किए। उन्होंने हनुमानगढ़ी के पुजारी महंत राजू दास के गुरु महंत संत राम दास के आश्रम पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, हमने हनुमान गढ़ी में हनुमान दादा के दर्शन किए। हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास के गुरु महंत संत राम दास का हाल ही में निधन हुआ। वे उज्जैनिया पट्टी के श्रीमहंत थे। उनके निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए अयोध्या आए हैं। यह हमारा सौभाग्य है।

भगवान इसकी सजा देंगे- धीरेंद्र शास्त्री

इसी दौरान, राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, यह कोई मामूली पाप नहीं, बल्कि महापाप है और भगवान इसकी सजा देंगे। लेकिन हम यह भी कहना चाहेंगे कि हमें देश के कानून-व्यवस्था और एसआईटी पर भरोसा रखना चाहिए, क्योंकि जांच चल रही है। हमें देश की न्याय-व्यवस्था और सरकार पर पूरा भरोसा है और सभी दोषियों को सजा मिलेगी।

वर्तमान में कलयुग से ज्यादा छलयुग

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, वर्तमान में कलयुग से ज्यादा छलयुग चल रहा है। इसमें सावधान रहना होगा। वर्तमान समय में संतों, महंतों, मठों और मंदिरों पर सुनियोजित तरीके से आस्था और श्रद्धा को कम करने के मकसद से षड्यंत्र भी चल रहे हैं। इसमें कालनेमी लोग सक्रिय हैं और उनसे हम सभी को सावधान रहना होगा। हमें भरोसा है कि जिन लोगों ने पाप किया, उन्हें भगवान भी दंड देंगे और देश का कानून भी सजा देगी। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा, अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें, क्योंकि कुछ भड़काने वाली शक्तियां आपको गुमराह करेंगी। ये शक्तियां हिंदुओं को हिंदुओं से लड़ाने और संत, महंत, मठ व मंदिरों के प्रति श्रद्धा को कम कराने की कोशिश करेंगी। इसलिए हम सभी हिंदुओं को विवेक से काम लेना है। एक घटना के कारण हमें सनातन के ऊपर आघात या आंच नहीं आने देनी है।

38 हजार की बाइक पर 1.5 लाख का जुर्माना

156 बार कटा चालान

हिंदमाता नेटवर्क @ आगरा

उत्तर प्रदेश के ताजनगरी आगरा से ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और कानून का मखौल उड़ाने का एक बेहद अजब-गजब मामला सामने आया है। यहां एक रसूखदार और बेखौफ बाइक चालक पर यातायात नियमों के उल्लंघन के चलते करीब डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना लग चुका है, जबकि उसकी बाइक की मौजूदा बाजार कीमत महज 38 हजार रुपये है। यानी बाइक की असली कीमत से चार गुना से ज्यादा का तो सिर्फ चालान काटा जा चुका है। यह मामला साफ तौर पर दर्शाता है कि सड़कों पर लगे कैमरे तो मुस्तैदी से अपना काम करते रहे, लेकिन वाहन चालक बिना किसी डर के नियमों की धज्जियां उड़ाता रहा। अब ऐसे आदतन यातायात नियम तोड़ने वाले अभ्यस्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए प्रशासन ने बेहद सख्त रूप अख्तियार कर लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, पिछले पांच सालों (2021 से 2026) के दौरान इस दोपहिया वाहन के कुल 156 चालान काटे गए हैं। ये सभी चालान शहर के प्रमुख चौराहों पर लगे ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों के जरिए ऑनलाइन दर्ज हुए हैं। ये कैमरे बिना किसी पुलिसकर्मी की मौके पर मौजूदगी के रेड लाइट जंप करने, जेब्रा क्रॉसिंग पार करने और बिना हेलमेट गाड़ी चलाने जैसी गलतियों पर सीधे परिवहन विभाग के सर्वर से चालान जनरेट कर देते हैं।

क्या बोले आर्टो विनय सिंह?

एआरटीओ विनय कुमार सिंह ने बताया कि ये चालान पूरी तरह से डिजिटल होते हैं और वाहन स्वामी के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर केवल एक एसएमएस भेजा जाता है। कई रसूखदार या लापरवाह वाहन चालक इन संदेशों को नजरअंदाज कर गाड़ी सड़कों पर दौड़ाते रहते हैं। जब तक पुलिस मौके पर गाड़ी रोककर जांच नहीं करती, तब तक कैमरे हर बार नियम तोड़ने पर जुमार्ना जोड़ते चले जाते हैं।

654 वाहनों को नोटिस; सीधे दर्ज होगी एफआइआर

आगरा जिले में बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की एक ब्लैक लिस्ट तैयार की गई है, जिसके आंकड़े परिवहन विभाग के अधिकारियों को भी हैरान कर रहे हैं। शहर के कई वाहन चालकों के लिए ट्रैफिक सिग्नल तोड़ना और नो-पार्किंग में गाड़ी खड़ी करना रोज की आदत बन चुका है।

पुलिस की वर्दी पहनकर जमाता था रौब

खुद को रसूखदार अधिकारी बताकर अवैध वसूली करता था फर्जी दरोगा

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

यूपी के वाराणसी से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सभी को हैरान कर दिया है। दरअसल यहां एक युवक फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर लोगों को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे अवैध वसूली करता था। इतना ही नही वह अपनी वर्दी का रौब भी दिखाता था और लखनऊ तक ऊंचे अधिकारियों से अपनी जान पहचान और सीधी पहुंच भी बताता था।

फर्जी दरोगा गिरफ्तार

हालांकि वाराणसी के चोलापुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मड़वां (मूर्दहा) क्षेत्र से इस फर्जी दरोगा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी फर्जी दरोगा क्षेत्र में पुलिस अधिकारी बनकर लोगों पर रौब जमाता था और सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे अवैध वसूली करता था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 22 वर्षीय राजन निवासी इंद्रपुर, थाना शिवपुर, वाराणसी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, राजन खुद को पुलिस विभाग का प्रभावशाली अधिकारी बताता था और दावा करता था कि उसकी लखनऊ तक ऊंचे अधिकारियों से सीधी पहुंच है।

हलाला, तीन तलाक की आड़ में यौन शोषण की अनुमति नहीं: हाईकोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ इलाहाबाद

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निकाह, हलाला और तीन तलाक जैसी प्रथाओं पर तीखी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा है कि इन प्रथाओं की आड़ में महिलाओं के यौन शोषण की अनुमति नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि ऐसी प्रथाएं समाज का काला पन्ना हैं, जो संवैधानिक मूल्यों, समानता और मानवीय गरिमा के विरुद्ध हैं। न्यायालय ने कहा कि ऐसे कृत्य न केवल कानूनन अपराध हैं, बल्कि समाज की सामूहिक अंतरात्मा को झकझोरने वाले हैं। न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने पीड़िता के पूर्व पति, चाचा, मौलाना समेत अन्य आरोपियों की याचिकाएं खारिज कर दीं। हाईकोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत कानूनों की आड़ में अपराधों को संरक्षण नहीं दिया जा सकता। अदालत ने प्रथम दृष्टया मामले को नाबालिग के साथ सुनियोजित सामूहिक दुष्कर्म का मामला मानते हुए गहन जांच की आवश्यकता बताई।

कहां का है मामला

ये मामला अमरोहा के सैदनागली थाना क्षेत्र का है, जहां पीड़िता ने कम उम्र में निकाह, तीन तलाक, हलाला और फिर से निकाह के नाम पर लगातार यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। आरोपियों ने मुकदमा रद्द करने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग करते हुए याचिकाएं दायर की थीं, जिन्हें कोर्ट ने खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि अब तक सामने आए तथ्य बेहद गंभीर हैं और प्रथम दृष्टया सभी आरोपियों की भूमिका कानून के खिलाफ दिखाई देती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच के इस प्रारंभिक चरण में एफआइआर रद्द करने का कोई आधार नहीं बनता और विवेचना जारी रहेगी। कोर्ट ने कहा कि आरोपों से पहली नजर में पता चलता है कि जब पीड़िता नाबालिग थी, तब उसके साथ रेप हुआ था और बाद में एक घटना के दौरान गैंग रेप हुआ था, जिसे कथित तौर पर दूसरे हलाला के नाम पर छिपाया गया था। कोर्ट ने कहा, जब क्रिमिनल लॉ की बात आती है, तो जब तक कानून खुद कोई छूट न दे, जो वह बहुत कम करता है, शादी वगैरह को कंट्रोल करने वाले पर्सनल लॉ की दलील देने की कोई जगह नहीं है। कोर्ट ने कहा कि आरोपों की पूरी जांच की जरूरत है और रिट अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करके उन्हें शुरू में ही खत्म नहीं किया जा सकता।

पीड़िता के साथ दो बार हलाला

एफआइआर के अनुसार अप्रैल 2015 में पीड़िता को मुख्य आरोपी अजहर नवाज के साथ निकाह करने को मजबूर किया गया था। तब उसकी उम्र मात्र 15 साल थी। आरोपी ने जनवरी 2016 में उसे तीन तलाक दे दिया। कुछ महीने बाद नवाज ने फिर से शादी करने की इच्छा जताई। नवंबर 2016 में उसने सह आरोपी मौलाना कयूम के साथ निकाह हलाला रचाई। हलाला के समय उसकी उम्र 16 साल थी। पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के सामने कहा कि तब उसे हलाला का मतलब भी नहीं पता था। उसने कहा कि उसके साथ रेप किया गया था। 2017 में नवाज के साथ उसका फिर से निकाह हुआ। लेकिन 4 साल बाद नवाज ने उसे फिर से तलाक दे दिया और दूसरी महिला से शादी कर ली। बाद में चूंकि नवाज की नई पत्नी बच्चे पैदा करने में असमर्थ थी। नवाज और उसके भाइयों ने पीड़िता को कहा कि वो वापस आ जाए और फिर से परिवार में रहे। उन्होंने पीड़िता से कहा कि चूंकि उसका निकाह दो बार टूटा है इसलिए उसे दो बार हलाला करना पड़ेगा। इसके बाद डबल हलाला के नाम पर मुख्य आरोपी के भाई और भतीजों ने कथित तौर पर 19 फरवरी 2025 को उसके साथ रेप किया। फिर उसी शाम को उसके साथ एक झूठा निकाह किया गया।

दहेज के लिए मुस्कान का मर्डर! पिलाया तेजाब, पति समेत 6 पर एफआईआर

हिंदमाता नेटवर्क @ मेरठ

यूपी के मेरठ में एक सनसीखेज मामला सामने आया है जहां दहेज के लिए एक विवाहिता को तेजाब पिलाने का आरोप उसके पति पर लगा है। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। शिकायत के बाद पुलिस ने पति सहित 6 लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। मामला इलाके में चर्चा का विषय है। आपको बता दें कि ये मामला थाना लोहियानगर के फतलहपुर का है। दहेज की मांग पूरी न होने पर पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर एक विवाहिता को तेजाब पिलाने का आरोप है। बुधवार शाम को महिला को गंभीर अवस्था में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुरुवार शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर पति सहित 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। दरअसल, मेरठ के थाना परीक्षितगढ़ के ग्राम अमर सिंहपुर निवासी रईस ने अपनी बेटी मुस्कान की शादी 19 फरवरी 2025 को फतलहपुर निवासी नासिर के साथ की थी। मुस्कान के परिजनों का आरोप है कि उन्होंने अपनी हैसियत के अनुसार शादी में खर्च भी किया लेकिन ससुराल पक्ष इससे संतुष्ट नहीं हुआ। मृतका के परिजनों का आरोप है की शादी के बाद भी पति नासिर और उसके परिजन लगातार बुलेट मोटरसाइकिल और सोने की अंगूठी की मांग करते रहे। मांग पूरी न होने पर मुस्कान को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। कई बार समझौता का प्रयास किया लेकिन ससुराल पक्ष का व्यवहार नहीं बदला। वहीं, मुस्कान के परिजनों ने बताया कि 1 जुलाई की शाम को उन्हें सूचना मिली की मुस्कान को टॉयलेट साफ करने वाला तेजाब पिला दिया गया है। सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में मुस्कान को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। गुरुवार शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मुस्कान के परिजनों ने पति नासिर और उसके परिजनों के खिलाफ पुलिस में तहरीर दी। जिस पर पति सहित 6 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं। पुलिस का कहना है कि जल्दी आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा चौहान की चाकू से गोदकर हत्या

पति के हमले में बेटा भी घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ मेरठ

मेरठ के सरूरपुर निवासी प्रदीप ने शुक्रवार सुबह अपनी 45 वर्षीय पत्नी निशा चौहान की चाकू से ताबड़तोड़ वार कर निर्मम हत्या कर दी। यह वारदात कस्बा हर्रा में एक प्लॉट की रजिस्ट्री को लेकर हुए विवाद के चलते हुई। आरोपी प्रदीप और निशा के बीच गुरुवार से ही जमीन अपने-अपने नाम कराने को लेकर झगड़ा चल रहा था। आज सुबह विवाद बढ़ने पर प्रदीप ने चाकू से हमला कर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। बीच-बचाव करने आया उनका बेटा भी इस हमले में घायल हो गया। वारदात के बाद आरोपी ने खुद पर भी चाकू से वार कर आत्महत्या का प्रयास किया।

बच्चों के सामने खूनी खेल और चीख-पुकार

निशा चौहान सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय थीं और इंस्टाग्राम पर रील बनाने के कारण उनके हजारों फॉलोअर्स थे। वह कस्बे में ही अपना ब्यूटी पार्लर भी चलाती थीं। शुक्रवार सुबह जब प्रदीप ने उन पर चाकुओं से हमला किया, तो मां को खून से लथपथ देखकर बच्चे चिल्लाने लगे। चीख-पुकार सुनकर जब तक पड़ोसी मदद के लिए घर के भीतर पहुंचे, तब तक निशा की सांसें थम चुकी थीं। पड़ोसियों ने तुरंत घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

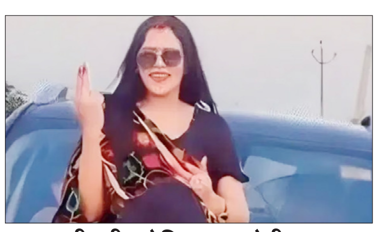

खुदकुशी की कोशिश, आरोपी अस्पताल में भर्ती

निशा की हत्या करने के बाद आरोपी प्रदीप ने खुद के शरीर पर भी चाकू से कई वार किए। पड़ोसी जब मौके पर पहुंचे तो प्रदीप खून से लथपथ और बेहोश पड़ा हुआ था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घायल प्रदीप को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

हिंदमाता एंकर: सतीश 700 किलोमीटर लंबी यात्रा नहाते हुए पूरी करेगा, जिसमें 20 हजार लीटर पानी खर्च होगा

कानपुर जू का हिप्पो सतीश जाएगा इंदौर, 20 हजार लीटर पानी के साथ तय करेगा 700 किमी का सफर

हिंदमाता संवाददाता @ कानपुर

यूपी का कानपुर प्राणी उद्यान जंगली जानवरों, पशु पक्षियों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान माना जाता है। कानपुर प्राणी उद्यान की शान दरियाई घोड़ा (हिप्पोपोटेमस) सतीश बीते कई दशकों से आने वाले दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा है। लेकिन अब सतीश एक यादगार यात्रा के साथ अपने नए घर जाने वाला है। जैसे ही दिन तय होगा तो सतीश रवाना हो जाएगा। एनिमल एक्सचेंज में कई जानवर आते जाते रहते हैं। लेकिन सतीश की यात्रा कुछ खास होने वाली है। सतीश 700 किलोमीटर लंबी यात्रा नहाते हुए पूरी करेगा। जिसमें 20 हजार लीटर पानी खर्च होगा। वहीं कानपुर प्राणी उद्यान में शेरों के कुनबे में बीते आठ साल से कोई की नया मेहमान नहीं जन्मा है। शेरों का कुनबा बढ़ाने के लिए जू प्रशासन ने इंदौर से शेरनी लाने की तैयारी की है। जिसके लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

विशेष पिंजड़े का इंतजाम

कानपुर से हिप्पोपोटेमस सतीश को इंदौर भेजा जाएगा। एनिमल एक्सचेंज की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इंदौर जू प्रशासन सतीश के लिए विशेष पिंजड़ा बनवा रहा है। जिसकी लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई के हिसाब से 8 बाई, 5 बाई फिट का है। पिंजड़े के अंदर उठने बैठने की पर्याप्त जगह होगी। ज्यादा बड़ा पिंजड़ा होने पर जानवरों के घायल होने का खतरा रहता है।

शरीर नम रखने के लिए पानी बौछार की जाएगी

दरियाई घोड़ा उभयचर प्रजाति का प्राणी होता है। यह पानी और जमीन दोनों जगह रहता है। जबकि 80 फीसदी समय पानी में व्यक्तित करता है। इसी वजह से चिड़ियाघर प्रशासन ने एनिमल एक्सचेंज परिवहन के लिए बारिश का मौसम चुना है। हिप्पो का शरीर नम रखने के लिए ट्रक पर पानी के विशेष कार्यक्रम इंतजाम किए गए हैं। ट्रक में 100-100 लीटर क्षमता के टैंक रखे होंगे। स्प्रे के जरिए पानी की लगातार बौछार की जाएगी।

वाहन की गति निर्धारित है

इसके साथ ही बीच-बीच में हिप्पो पर बाल्टी से भी पानी डाला जाएगा। कानपुर से इंदौर तक की यात्रा में सतीश लभभग 20 हजार लीटर पानी से नहाते हुए जाएगा। इंदौर से शेरनी लाने और कानपुर से हिप्पो को ले जाने वाले वाहन के लिए सेंट्रल जू अथॉरिटी ने अधिकतम गति सीमा तय कर रखी है। 60 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक से ट्रक नहीं जाएगा।

कानपुर का बब्बर शेर शंकर इकलौता नर है

हिप्पो के बदले में इंदौर चिड़ियाघर शेरनी वीरा को कानपुर को देगा। वीरा की उम्र अभी तीन वर्ष है। एशियाई प्रजाति की वीरा का जन्म इंदौर चिड़ियाघर में हुआ था। वीरा के साथ कानपुर के बब्बर शेर शंकर के साथ जोड़ी बनेगी। कानपुर जू में बब्बर शेर शंकर इकलौता नर है। जबकि बहन नंदनी और उसकी मां उमा शेरनी हैं।

हिप्पो स्किन पर असर पड़ता है

रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर को फिरोज खान का कहना है कि हिप्पो अधिकतर समय पानी में रहता है। ज्यादा समय तक बिना पानी के रहेगा तो उसकी स्किन फटने लगती है। इसलिए इंदौर जाते समय उस पर पानी की बौछार की जाएगी। पानी की व्यवस्था की गई है। सफर लंबा है इस लिए 100-100 किलोमीटर पर स्टॉपेज रहेगी। इंदौर जू प्रशासन ने भी इसकी तैयारी की है। कानपुर जू में पांच हिप्पो हैं। लेकिन सतीश के जाने के बाद चार बचेंगे।

शॉर्ट स्टोरी

ममेरी बहन से प्यार, अश्लील तस्वीरें.. फिर सगे भांजे की हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ वैशाली

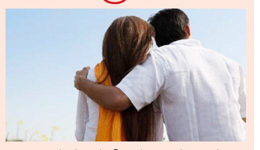

बिहार के वैशाली में 30 जून को एक जला हुआ शव मिला था। पुलिस का कहना है कि बेटी और सगे भांजे के अफेयर से नाराज मामा ने भांजे की हत्या कर दी थी। हत्या के बाद शव के टुकड़े किए गए और पहचान मिटाने के लिए उसे जला दिया गया। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। मामला वैशाली जिले के राघोपुर के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र का है। 30 जून को पुलिस को एक युवक का जला हुआ शव मिला था। शव की हालत इतनी खराब थी कि उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया था। जांच के आधार पर मृतक की पहचान की गई। 22 साल का युवक समस्तीपुर जिले के शाहपुर पटोरी का रहने वाला था। पुलिस का कहना है कि युवक की मां की मौत तब हो गई थी, जब वह करीब चार साल का था। इसके बाद वह अपने ननिहाल में ही पला-बढ़ा। इसी दौरान उसकी ममेरी बहन के साथ प्रेम संबंध बन गए। जांच में सामने आया कि दोनों एक-दूसरे के काफी करीब थे। इसी रिश्ते को लेकर परिवार में लंबे समय से नाराजगी थी। वैशाली एसपी शुभांक मिश्रा के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसे करीब तीन साल पहले अपनी बेटी और भांजे के रिश्ते की जानकारी मिली थी। उसने कई बार भांजे को समझाने की कोशिश की, लेकिन दोनों संपर्क में बने रहे। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने यह भी दावा किया कि घर से निकालने के बाद भी युवक चेन्नई से उसकी बेटी के संपर्क में था, कॉल करता था। अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देता था।

अयोध्या से सबक, बिहार में हर तीन महीने में मंदिर-मठ का होगा ऑडिट

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आने के बाद अब बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद ने बड़ा कदम उठाया है। परिषद ने अपने अंतर्गत आने वाले साढ़े चार हजार मंदिर और मठ के खातों की जानकारी अब हर तीन महीने में लेने का फैसला किया है, ताकि दान के पैसों का पूरा हिसाब पारदर्शी तरीके से रखा जा सके। यह जानकारी परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर रणवीर नंदन ने आजतक से खास बातचीत में दी। प्रो रणवीर नंदन ने बताया कि बिहार धार्मिक न्यास परिषद के अंतर्गत करीब साढ़े चार हजार मंदिर और मठ आते हैं। इन सभी मंदिरों और मठों का हर साल ऑडिट कराया जाता है। इस ऑडिट में यह देखा जाता है कि मंदिर में कितना पैसा दान के रूप में आया और उसे कहां-कहां खर्च किया गया। पूरा हिसाब लिखित रूप में रखा जाता है, ताकि किसी तरह की गड़बड़ी न हो सके। परिषद यह सुनिश्चित करता है कि दान से मिले पैसों का इस्तेमाल मंदिर और मठ के रखरखाव, विकास और जरूरी कामों में ही सही तरीके से हो। अब परिषद ने इसे और मजबूत बनाने के लिए एक नई व्यवस्था शुरू की है। पहले जहां साल में एक बार ऑडिट होता था, वहीं अब हर तीन महीने में मंदिर और मठों से उनके खातों की पूरी जानकारी मांगी जाएगी। इससे पहले साल में सिर्फ एक बार ऑडिट होने से बीच के महीनों में हिसाब-किताब की सीधी निगरानी संभव नहीं हो पाती थी। अब हर तीन महीने में जानकारी मिलने से किसी भी गड़बड़ी को समय रहते पकड़ा जा सकेगा। इसका मकसद यह है कि दान में आने वाले पैसों का हिसाब समय-समय पर चेक होता रहे और पारदर्शिता बनी रहे। प्रो नंदन ने यह भी बताया कि परिषद के अंतर्गत आने वाले हर मंदिर की अपनी अलग न्यास समिति होती है। यही समिति तय करती है कि मंदिर को किस काम की जरूरत है और पैसा कहां खर्च होना चाहिए। परिषद का मुख्य काम इन मंदिरों और मठों से जुड़े निर्माण या दूसरे कामों के लिए एनओसी यानी अनापत्ति प्रमाण पत्र देना है। परिषद के इस कदम को अयोध्या जैसे मामलों से सीख लेकर उठाया गया कदम माना जा रहा है, ताकि आगे चलकर किसी भी मंदिर या मठ में दान के पैसों को लेकर कोई सवाल खड़ा न हो और लोगों का भरोसा बना रहे।

गला, चेहरा, प्राइवेट पार्ट तक काटा, प्रेमिका ने बिल्डर को क्यों मारा?

हिंदमाता नेटवर्क @ भागलपुर

भागलपुर के चर्चित बिल्डर बजरंग कुमार हत्याकांड का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में पीरपैंती थाना क्षेत्र के दिलौरी गांव की रहने वाली सीमा कुमारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी महिला ने हत्या की वजह और पूरी वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल धारदार हथियार, खून से सने कपड़े, जमीन से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज समेत कई अहम साक्ष्य भी बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि वैज्ञानिक जांच, तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पूरे मामले का पदार्फाश किया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने मामले की पूरी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार सीमा कुमारी ने पूछताछ में बताया कि बजरंग कुमार के साथ उसका अवैध संबंध था। दोनों के बीच लंबे समय से संपर्क था और अक्सर मुलाकात होती थी। इस दौरान कई बार विवाद भी हुआ, लेकिन संबंध बना रहा। घटना वाली रात बुधवार को सीमा कुमारी पुरुष के वेश में हेलमेट पहनकर बजरंग कुमार के कार्यालय पहुंची थी, ताकि उसकी पहचान किसी को न हो सके। देर रात दोनों कार्यालय में मौजूद थे और वहीं बैठकर शराब पी। पूछताछ में आरोपी महिला ने पुलिस को बताया कि शराब के नशे में बजरंग कुमार ने उसके साथ जबरन और क्रूर तरीके से शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान उसके साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार भी किया गया। इससे वह बेहद आक्रोशित हो गई। गुस्से में उसने कार्यालय में रखे धारदार हथियार से बजरंग कुमार पर लगातार कई वार कर दिए। मृतक के चेहरे, गर्दन, दोनों हाथों और गुप्तांग पर गंभीर चोट के निशान पाए गए। अत्यधिक रक्तस्राव होने से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। एसएसपी ने बताया कि हत्या करने के बाद सीमा ने खुद को सामान्य दिखाने की कोशिश की।

सिंधु जल समझौते पर भारत ने पाकिस्तान को दिया करारा जवाब, कहा-

आतंकवाद के खात्मे तक नहीं होगी कोई बातचीत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौते को एक बार फिर तनाव बढ़ रहा है। पाकिस्तान की सरकार लगातार भारत के फैसले का विरोध कर रहे हैं। पाकिस्तानी सेना और वहां के नेताओं पिछले कई दिनों से भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान दे रहे हैं। इसी बीच भारत ने इस मुद्दे पर पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस करते हुए साफ शब्दों में कहा कि, सिंधु जल समझौता पर तब तक कोई बातचीत नहीं होगी, जब तक सीमा पार से जारी आतंकवाद पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाता है।

एक साथ नहीं चल सकते वार्ता और आतंकवाद

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि आतंकवाद के खात्मे के बाद सिंधु जल समझौते से जुड़ी बातचीत या सामान्य बहाली को आगे बढ़ाए जाने को लेकर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही रणधीर जायसवाल ने भारत के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि, वार्ता और आतंकवाद एक साथ कभी नहीं चल सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत कभी भी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में भारी बारिश का कहर, दो घरों की छत गिरी

4 की मौत, 10 से ज्यादा घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में भारी मानसूनी बारिश ने भारी तबाही मचाई है। झोब और खुज़दार जिलों में दो कच्चे घरों की छत ढहने से चार लोगों की मौत हो गई। जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। लगातार बारिश और अचानक आई बाढ़ से कई सड़कें टूट गईं, बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई है और घरों व फसलों को भारी नुकसान पहुंचा। प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुटे हैं, जबकि गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए क्वेटा रेफर किया गया है।

राहत और बचाव अभियान जारी

घटना के बाद पुलिस, जिला प्रशासन के अधिकारी और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया, बचावकर्मियों ने शवों को निकाला और घायलों को निकालकर झोब स्थित अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने आगे बताया कि गंभीर रूप से घायल लोगों को विशेष उपचार के लिए क्वेटा रेफर कर दिया गया है। चिकित्सा-कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए।

भारी बारिश से दो घरों की छत गिरी

बाचा खान स्कूल के पास और झोब के शम्सी कॉलोनी में छत गिरने की घटनाएं हुईं, जहां भारी बारिश के बाद दो मिट्टी के घरों की छत गिर गई। स्थानीय प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि मलबे के नीचे दबने से एक महिला और दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि इस घटना में प्रभावित दोनों परिवारों के करीब 10 से अधिक सदस्य घायल हुए हैं।

कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप

खुजदार जिले में बारिश से संबंधित एक घटना में एक बच्चे की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान प्रांत के कई इलाकों में भारी बारिश और आंधी-तूफान के कारण मिट्टी के घर क्षतिग्रस्त हो गए और तेज हवा से होर्डिंग उखड़ गए। खराब मौसम के कारण क्वेटा समेत बलूचिस्तान के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। गुरुवार को रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता फारूक अहमद ने बताया कि पाकिस्तान के पंजाब में पिछले 24 घंटों में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता ने बताया कि तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण दीवारों, छतों और एक होर्डिंग के गिरने से हताहत हुए। अटक में दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

पाकिस्तान में भीषण सड़क हादसा, गहरी खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस

40 लोगों की दर्दनाक मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत और दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र बलूचिस्तान से एक हृदयविदारक समाचार सामने आया है। शुक्रवार को एक यात्री बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई, जिससे कम से कम 40 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह भीषण दुर्घटना बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों की सीमा के पास हुई। इस हादसे ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर बढ़ा दी है और राहत-बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं।

कैसे हुआ ये हादसा?

अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दुखद घटना बलूचिस्तान के शेरानी जिले के धनसार इलाके में हुई। बस बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान की ओर जा रही थी। रास्ते में पहाड़ी इलाके की घुमावदार सड़कों पर बस चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप वाहन सीधे गहरी खाई में जा गिरा।

इजराइल के हमले का डर? अली खामेनेई के जनाजे में शामिल क्यों नहीं हो रहे मोजतबा

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के जनाजे से पहले पूरे देश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इसी बीच सबसे बड़ी खबर यह है कि उनके बेटे और मौजूदा सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई जनाजे में शामिल नहीं होंगे। इसकी वजह इजरायल की तरफ से संभावित हमले का खतरा बताया जा रहा है। भारत में ईरान के प्रतिनिधि अयातुल्लाह हकीम इलाही के मुताबिक, इजरायल की निगरानी और हमले की आशंका को देखते हुए मोजतबा का सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होना सुरक्षित नहीं माना गया है। यही वजह है कि उन्होंने जनाजे में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। अली खामेनेई की मौत 28 फरवरी को उस समय हुई थी, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर सैन्य अभियान शुरू किया था। इसके बाद पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध छिड़ गया था।

कब से कब तक चलेगा अली खामेनेई के जनाजे का कार्यक्रम?

0 4 जुलाई को तेहरान से शुरू होने वाले कार्यक्रम 9 जुलाई को उनके गृह नगर मशहद में दफन के साथ पूरे होंगे। इस दौरान कोम समेत कई शहरों में धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। ईरानी सरकार को उम्मीद है कि लाखों लोग अंतिम विदाई में शामिल होंगे। हालांकि, सुरक्षा कारणों से अली खामेनेई के बेटे और सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई इसमें शामिल नहीं हो सकेंगे। अली खामेनेई करीब 36 वर्षों तक ईरान के सर्वोच्च नेता रहे।

'जंग के कूटनीतिक फायदों से पेट नहीं भरता', सिंगापुरी नेता ने पाकिस्तान को किया एक्सपोज

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में अहम भूमिका निभाने के बाद पाकिस्तान खुद को बड़ी कूटनीतिक सफलता के तौर पर पेश कर रहा है। लेकिन सिंगापुर के पूर्व राजनयिक बिलाहारी कौसिकन ने पाकिस्तान की इस सफलता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि "डिप्लोमैटिक कामयाबी से पाकिस्तान की जनता का पेट नहीं भरता।" एक वैश्विक सम्मेलन में बोलते हुए कौसिकन ने कहा कि पाकिस्तान ने ईरान संकट के दौरान कूटनीतिक मौके का अच्छा फायदा उठाया और इससे अमेरिका की नजर में उसकी छवि कुछ हद तक सुधरी है। लेकिन उन्होंने कहा कि इससे पाकिस्तान की असली समस्याएं खत्म नहीं हो जातीं। पूर्व राजनयिक ने पाकिस्तान को "नाकामी की कगार पर खड़ा देश" बताते हुए कहा कि उसकी सबसे बड़ी परेशानी भारत या अफगानिस्तान नहीं, बल्कि उसके अपने राजनेता और सेना हैं। उनके मुताबिक, पाकिस्तान की बदहाली के लिए उसकी गलत नीतियां और वर्षों का खराब शासन जिम्मेदार है।

पाकिस्तान के सभी राजनेता समय की बबार्दी!

कौसिकन ने कहा, "हर बात के लिए भौगोलिक स्थिति को दोष नहीं दिया जा सकता। यह सिर्फ एक बहाना है।" उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान शुरू से ही बेहद खराब तरीके से चलाया गया है और फिलहाल उन्हें इससे निकलने का कोई रास्ता नजर नहीं आता। सिंगापुरी पूर्व राजनयिक ने पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व पर भी तीखा हमला बोला। उनका कहना था कि "पाकिस्तान के सभी राजनेता समय की बबार्दी हैं, चाहे वे किसी भी पार्टी से हों। वहीं सेना भी इस समस्या का बड़ा हिस्सा है। पूर्व राजनयिक ने यह भी कहा कि हाल की कूटनीतिक सफलता के बावजूद अमेरिका पाकिस्तान पर लगे सभी प्रतिबंध हटाने वाला नहीं है।

वर्ल्ड बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पैसे पर निर्भर पाकिस्तान

पाकिस्तान इस समय गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है और कर्ज चुकाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसे संस्थानों की मदद पर काफी हद तक निर्भर है। वहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां खाद्य संकट तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में बिलाहारी कौसिकन का कहना है कि सिर्फ विदेश नीति में मिली सफलता से पाकिस्तान की तस्वीर नहीं बदलेगी।

अपने पैरों पर ट्रंप ने मार ली कुल्हाड़ी, अमेरिका में बढ़ रही बेरोजगारी

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिका में जॉब मार्केट की रफ्तार लगातार धीमी पड़ती दिख रही है। जून 2026 में देश में सिर्फ 57 हजार नई जॉब्स जुड़ीं, जो मार्केट की उम्मीदों से काफी कम हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ऊंची महंगाई, ट्रेड से जुड़ी अनिश्चितता और पॉलिसी फैसलों का असर अब जॉब मार्केट पर साफ दिखने लगा है। खास तौर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ और ट्रेड पॉलिसियों ने कंपनियों की चिंता बढ़ा दी है, जिसके चलते वे नई हायरिंग से बच रही हैं। अमेरिकी लेबर डिपार्टमेंट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक जून 2026 में देश में केवल 57 हजार नई जॉब्स पैदा हुईं। यह आंकड़ा मई महीने की तुलना में आधे से भी कम है। इससे साफ संकेत मिलता है कि अमेरिकी कंपनियां आने वाले समय को लेकर सतर्क हैं और बड़े स्तर पर नई भर्तियां करने से बच रही हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि लंबे समय से बनी हुई ऊंची महंगाई और ग्लोबल आर्थिक अनिश्चितताओं ने कंपनियों का खर्च बढ़ा दिया है। इसी वजह से कंपनियां निवेश और हायरिंग दोनों को सीमित कर रही हैं। आर्थिक जानकारों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन की आक्रामक ट्रेड और टैरिफ पॉलिसियों ने भी अमेरिकी बिजनेस जगत की मुश्किलें बढ़ाई हैं। इंपोर्ट पर बढ़ते शुल्क और ट्रेड तनाव के कारण कई कंपनियों की लागत बढ़ी है, जिसका असर जॉब मार्केट पर पड़ रहा है। कई कंपनियां भविष्य की मांग को लेकर आश्वस्त नहीं हैं और इसी कारण नई जॉब्स के मौके कम हो रहे हैं।

पांच साल के निचले स्तर पर पहुंची पार्टिसिपेशन रेट

अमेरिका में लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट यानी काम कर रहे या नौकरी तलाश रहे लोगों का अनुपात घटकर 61.5 प्रतिशत रह गया है। यह पिछले पांच वर्षों का सबसे निचला स्तर है। वहीं 25 से 54 साल के कर्मचारियों की पार्टिसिपेशन रेट भी घटकर 83.3 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह संकेत देता है कि लेबर मार्केट में एक्टिव लोगों की संख्या कम हो रही है। एक तरफ कंस्ट्रक्शन और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कुछ नई जॉब्स पैदा हुई हैं, जिसकी बड़ी वजह डेटा सेंटर और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का विस्तार है।

थाईलैंड: तीर्थ यात्रा पर निकले बौद्ध भिक्षुओं को ट्रक ने कुचला

8 की मौत, बच्चा चला रहा था व्हीकल

हिंदमाता नेटवर्क @ थाईलैंड

थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी मुकदहान प्रांत में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 8 बौद्ध भिक्षुओं की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब एक पिकअप ट्रक ने तीर्थयात्रा पर निकले भिक्षुओं के समूह को टक्कर मार दी। अधिकारियों के मुताबिक ट्रक एक 11 वर्षीय बच्चे द्वारा चलाया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, लड़का अपने माता-पिता का पिकअप ट्रक बिना इजाजत लेकर निकला था। करीब 10 किलोमीटर चलाने के बाद उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया और तीर्थयात्रा पर निकले भिक्षुओं को पीछे से टक्कर मार दी। मुकदहान प्रांत के गवर्नर वोरायन बुनारात ने बताया कि 34 बौद्ध भिक्षु और 5 अन्य श्रद्धालु मुकदहान के एक मंदिर से पड़ोसी उबोन रत्चाथानी प्रांत के दूसरे मंदिर तक पैदल तीर्थयात्रा कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में 5 भिक्षुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसा स्थानीय समयानुसार शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे हुआ। इसके अलावा 22 भिक्षु और एक श्रद्धालु घायल हुए हैं। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हिंदमाता एंकर ईरान होर्मुज से टोल के जरिए हर साल 43 अरब डॉलर की भारी भरकम राशि वसूलना चाहता है जिसके लिए पूरा प्लान तैयार है

होर्मुज स्ट्रेट में टैक्स विवाद खत्म! ईरान ने तय किया टोल रेट, अब हर गुजरने वाले जहाज को देना होगा इतना चार्ज

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान ने अमेरिका को साफ कर दिया है कि वह होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले हर जहाज से टोल वसूलेगा। कतर में हुई एक अहम बैठक के दौरान अमेरिका को ईरान की तरफ से इस फैसले की आधिकारिक जानकारी दे दी गई है। अमेरिका ने बैठक के आखिरी वक्त तक ईरान से इस टोल योजना को ठंडे बस्ते में डालने की काफी ज्यादा अपील की थी। इसके लिए अमेरिका ने कई तरह के प्रलोभन भी दिए लेकिन ईरान अपने इस बड़े फैसले से बिल्कुल भी पीछे नहीं हटा। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनेर ने भी ईरान से टोल न वसूलने की बात कही थी। उन्होंने प्रस्ताव दिया था कि अगर वे टोल नहीं लेते हैं तो ईरान के सभी जब्त पैसे उन्हें तुरंत कैश में वापस दे दिए जाएंगे। हालांकि ईरान इस प्रलोभन के बाद भी होर्मुज स्ट्रेट से टोल वसूलने के अपने मुख्य फैसले पर पूरी तरह से अटल और अडिग रहा। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह पनामा की तरह ही इस अहम व्यापारिक रास्ते पर अपना पूरा अधिकार मानते हुए टोल लेगा।

टोल वसूली का पूरा गणित

ईरान होर्मुज से टोल के जरिए हर साल 43 अरब डॉलर की भारी भरकम राशि वसूलना चाहता है जिसके लिए पूरा प्लान तैयार है। अगर इसे प्रतिदिन के हिसाब से देखा जाए तो ईरान हर दिन करीब 117.8 मिलियन डॉलर की भारी कमाई आसानी से करेगा। सामान्य दिनों में इस होर्मुज के रास्ते से हर दिन लगभग 120 व्यापारिक जहाज गुजरते हैं जिससे यह लक्ष्य पूरा होगा। इसी हिसाब से ईरान ने यहां से गुजरने वाले हर एक जहाज से 1 मिलियन डॉलर वसूलने का एक बहुत ही सख्त प्लान बनाया है।

शांति के बाद 120 जहाजों की उम्मीद

जंग शुरू होने से पहले होर्मुज के इस अहम रास्ते से हर दिन बिना किसी रुकावट के 120 जहाज अपनी मंजिल की ओर गुजरते थे। ईरान को अब पूरी उम्मीद है कि क्षेत्र में शांति स्थापित होने के बाद फिर से इस रास्ते से 120 जहाज आसानी से गुजरेंगे। ईरान ने इन्हीं 120 जहाजों की संख्या को विशेष ध्यान में रखते हुए ही सालाना 43 अरब डॉलर का यह बड़ा लक्ष्य रखा है। ईरान की तरफ से इस भारी भरकम कमाई का कुछ हिस्सा पड़ोसी देश ओमान को भी निश्चित रूप से दिया जाएगा।

चीनी करेंसी में टोल लेने की तैयारी

ईरान होर्मुज के रास्ते से गुजरने वाले सभी जहाजों पर जो भारी टोल वसूलेगा, वह उसे सिर्फ चीनी या रूसी करेंसी में ही लेना चाहता है। हाल के दिनों में पड़ोसी देश ओमान ने इस टोल के गंभीर गतिरोध को खत्म करने के लिए ईरान को एक शांति प्रस्ताव भी दिया था। इस प्रस्ताव में ओमान ने कहा था कि ईरान पर्यावरण शुल्क के नाम पर यह टोल जरूर वसूले लेकिन पूरी व्यवस्था किसी स्वतंत्र एजेंसी को दे दे। ओमान चाहता था कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड होर्मुज में किसी भी तरह की मनमानी न कर सकें और व्यापार भी चलता रहे।

ईरान ने खारिज किया प्रस्ताव

हालांकि ईरान ने ओमान के इस प्रस्ताव को पूरी तरह से खारिज कर दिया और कहा कि उसे तुरंत अपने राजस्व की जरूरत है। ईरान ने दुनिया को एकदम साफ कर दिया है कि टोल वसूली की यह बड़ी जिम्मेदारी तेहरान किसी अन्य देश या एजेंसी को बिल्कुल नहीं देगा।

बिजनेस वर्ल्ड

जून में किआ इंडिया की रिकॉर्ड बिक्री, 19% उछाल के साथ 24,552 गाड़ियां बिकीं

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश की प्रमुख मास-प्रीमियम वाहन निर्माताओं में से एक, किआ इंडिया ने आज जून महीने में अब तक की अपनी सबसे अधिक बिक्री की घोषणा की है। कंपनी ने जून 2026 में 24,552 यूनिट्स की थोक बिक्री की, जो जून 2025 में बेची गई 20,625 यूनिट्स के मुकाबले 19% की सालाना बढ़ोतरी दर्शाती है। यह शानदार प्रदर्शन कंपनी के निरंतर विकास और उसके बदलते प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को ग्राहकों द्वारा बड़े पैमाने पर पसंद किए जाने को रेखांकित करता है। वर्ष 2026 के पहले छह महीनों के दौरान, किआ इंडिया ने 1,63,749 यूनिट्स की डिलीवरी की, जो इसका अब तक का सबसे मजबूत पहली छमाही का प्रदर्शन है। यह पिछले साल की समान अवधि के दौरान बेची गई 1,42,139 यूनिट्स की तुलना में 15.2% की सालाना वृद्धि है। बिक्री के प्रदर्शन को लेकर, सेल्स एंड मार्केटिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, श्री अतुल सूद ने कहा, "जून के महीने में हमारी गाड़ियों की शानदार बिक्री हुई है, जिससे साल के पहले छह महीने (जनवरी से जून) रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए हैं। किआ इंडिया के लिए यह एक बहुत बड़ी कामयाबी है, जो दिखाती है कि ग्राहकों को हमारे ब्रांड पर कितना भरोसा है। हमारी इस सफलता की बड़ी वजह नई सेल्टोस, सोनेट और कारेंस क्लेविस की लगातार बढ़ती मांग है। इसके साथ ही, हमारी नई एमवाई26 साइरोस को भी ग्राहकों से बहुत बढ़िया रिस्पॉन्स मिला है। हमारे लिए सबसे खुशी की बात यह है कि जो लोग पहले से किआ की गाड़ी चला रहे हैं, वे अब अपग्रेड करके 'न्यू सेल्टोस' खरीद रहे हैं। इससे साबित होता है कि हमारी गाड़ियां कितनी मजबूत और भरोसेमंद हैं। हमारी इलेक्ट्रिक गाड़ी क्लेविस ईवी को लेकर भी लोग काफी उत्सुक हैं। इसे सफल बनाने में सरकार की ईवी नीतियों और हमारे नए 'बैटरी-एज-ए-सर्विस' प्रोग्राम का बड़ा हाथ रहा है।

लग्रों इंडिया ने पेश की प्रीमियम लाइफस्टाइल रेंज 'आर्टियोर एडवांस'

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

आर्टियोर एडवांस प्रीमियम लिविंग के भविष्य को लेकर लग्रों इंडिया की सोच को बखूबी दिखाता है। यहाँ खूबसूरत डिजाइन, आधुनिक तकनीक और सस्टेनेबिलिटी एक साथ मिलकर हमारे रोजमर्रा के अनुभवों को बेहद आसान बनाते हैं। आज मेट्रो शहरों से लेकर टियर-2 और टियर-3 शहरों तक, ग्राहकों की पसंद तेजी से प्रीमियम प्रोडक्ट्स की तरफ बदल रही है। ऐसे समय में आर्टियोर एडवांस उन लोगों की जरूरतों को पूरा करता है, जो खूबसूरत लुक, बेहतरीन परफॉर्मेंस और स्मार्ट फीचर्स का परफेक्ट कॉम्बिनेशन चाहते हैं। इसे आज के आधुनिक घरों और ऑफिसों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यह रेंज एक बड़े बदलाव को दिखाती है, जहाँ तकनीक इंसानी जरूरतों के हिसाब से काम करती है। यह तकनीक लोगों के रहने और काम करने के अनुभव को और भी बेहतर बनाती है। आर्टियोर एडवांस एक ऐसी डिजाइन सोच पर आधारित है, जो बेहतरीन लुक, आसान कामकाज और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को एक साथ लाती है। बदलते लाइफस्टाइल को ध्यान में रखकर इस रेंज को तैयार किया गया है। यह दिखने में मिनिमलिस्ट है, लेकिन इसमें बारीकियों पर पूरा ध्यान दिया गया है। इसे इस तरह बनाया गया है कि यह छूने, देखने और सुनने, हर तरह के अनुभव को शानदार बनाती है। इसी खूबी को दर्शाने के लिए फील समथिंग न्यू कैंपेन शुरू किया गया है, जो आर्टियोर एडवांस के बेहतरीन और शानदार एहसास को बयां करता है। यह रेंज अपने बेहतरीन और आधुनिक डिजाइन के लिए अलग से पहचानी जाती है। इसमें फ्लोटिंग रॉकर, हल्का घुमावदार आकार और चैम्फर्ड प्लेट्स जैसे खास एलिमेंट्स दिए गए हैं। इसके साथ ही, इसमें एक सॉफ्ट लोकेटर ग्लो है, जिससे रात के अंधेरे में भी स्विच को ढूंढना और इस्तेमाल करना बेहद आसान हो जाता है। आर्टियोर एडवांस दो अलग-अलग खूबसूरत डिजाइन लाइन्स में उपलब्ध है—क्लासिक और एलीट। यह विविधता आपको अपने घर के इंटीरियर के हिसाब से सही स्विच चुनने की पूरी आजादी देती है। इसके हाइब्रिड प्लेट्स की मदद से आप दोनों डिजाइन फॉर्मेट्स को एक साथ आसानी से मिलाकर इस्तेमाल कर सकते हैं।

एयर इंडिया ने यात्रियों को दी बड़ी राहत! विदेश जाने वालों का घटेगा खर्च

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। एयर इंडिया ने अमेरिका, कनाडा, यूरोप, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जाने वाली अपनी लंबी दूरी की उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज कम कर दिया है। नई दरें 1 जुलाई 2026 से लागू हो गई हैं। इससे इन रूटों पर यात्रा करने वाले यात्रियों के टिकट पहले के मुकाबले कुछ सस्ते हो सकते हैं। एयर इंडिया ने अप्रैल 2026 में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी के बाद फ्यूल सरचार्ज लगाया था। उस समय एयरलाइंस की परिचालन लागत काफी बढ़ गई थी। अब तेल की कीमतों में नरमी आने के बाद कंपनी ने यात्रियों को राहत देने का फैसला किया है। नई व्यवस्था के तहत उत्तर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जाने वाली उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज 280 डॉलर से घटाकर 200 डॉलर प्रति टिकट कर दिया गया है। वहीं यूरोप और ब्रिटेन के लिए यह शुल्क 205 डॉलर से घटाकर 125 डॉलर प्रति टिकट कर दिया गया है। यानी कुछ रूटों पर फ्यूल सरचार्ज में करीब 39% तक की कटौती की गई है। फिलहाल यह राहत सिर्फ चुनिंदा लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर दी गई है। एयर इंडिया की घरेलू उड़ानों और अन्य अंतरराष्ट्रीय रूटों पर लागू फ्यूल सरचार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंपनी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आगे तेल की कीमतों के रुख के आधार पर फैसला ले सकती है। एविएशन इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि एयरलाइंस की कुल परिचालन लागत में एविएशन टर्बाइन फ्यूल की हिस्सेदारी करीब 40 से 45 फीसदी होती है। ऐसे में ईंधन सस्ता होने का फायदा धीरे-धीरे टिकट किराए में भी दिखाई दे सकता है। माना जा रहा है कि अगर वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह नियंत्रित रहती हैं, तो आने वाले समय में दूसरी एयरलाइंस भी फ्यूल सरचार्ज कम करने पर विचार कर सकती हैं।

आईसीआईसीआई बैंक का बड़ा दांव! 2017 के बाद पहली बार जुटाएगा 500 मिलियन डॉलर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक आईसीआईसीआई बैंक की 2017 के बाद पहली बार बड़े स्तर पर अमेरिकी डॉलर बॉन्ड जारी करने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक, बैंक विदेशी बाजार से कम से कम 50 करोड़ डॉलर (500 मिलियन डॉलर) जुटाने की योजना बना रहा है। बताया जा रहा है कि बैंक आने वाले कुछ हफ्तों में ग्लोबल मीडियम-टर्म नोट प्रोग्राम के तहत यह फंड जुटाएगा। यह विदेशी बाजार में कर्ज जारी करने का एक खास प्लेटफॉर्म होता है। सूत्रों का कहना है कि आईसीआईसीआई बैंक यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक की हालिया राहत के बाद उठा रहा है। आरबीआई ने विदेशी कर्ज लेने वाले योग्य संस्थानों के लिए रियायती विदेशी मुद्रा स्वैप सुविधा शुरू की है। इसका मकसद भारतीय बैंकों को विदेश से सस्ता फंड जुटाने के लिए प्रोत्साहित करना है। अगर यह सौदा पूरा होता है, तो यह 2017 के बाद आईसीआईसीआई बैंक की पहली बड़ी अमेरिकी डॉलर बॉन्ड बिक्री होगी। उस समय बैंक ने भी 50 करोड़ डॉलर जुटाए थे। सूत्रों के मुताबिक, इस डील को पूरा कराने के लिए क्आईसीआईसीआई बैंक कई वैश्विक निवेश बैंकों के साथ बातचीत कर रहा है। हालांकि, इस मामले पर टिप्पणी के लिए भेजे गए ब्लूमबर्ग के ईमेल का बैंक ने कोई जवाब नहीं दिया। आरबीआई की नई व्यवस्था के बाद कई भारतीय बैंक विदेशी बाजार से पैसा जुटाने की तैयारी में हैं। हाल ही में एचडीएफसी बैंक ने 75 करोड़ डॉलर (750 मिलियन डॉलर) के बॉन्ड जारी कर फंड जुटाया था। इसके अलावा एक्सिस बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) भी अंतरराष्ट्रीय बाजार से पूंजी जुटा चुके हैं। आरबीआई के इस कदम से रुपये को भी मजबूती मिली है। अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान ऊर्जा कीमतों में उछाल की वजह से रुपया डॉलर के मुकाबले काफी कमजोर हो गया था। मई के आखिर में रुपया करीब 97 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया था। इसके बाद से अब तक इसमें करीब 2% की मजबूती देखने को मिली है।

दैनिक ठाणे, शनिवार 4 जुलाई, 2026
पैनी नजर, पुख्ता खबर
हिंदमाता मिरर
GAME & GLAMOUR

सलमान की 'मातृभूमि' पर सीबीएफसी ने लगाई रोक

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि', जो भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच 2020 में हुई गलवान घाटी की झड़प पर आधारित है, असल में ईद के मौके पर 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी। तब फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवां' था, बाद में नाम बदल दिया गया। फिर इस तारीख को आगे बढ़ा दिया गया और उम्मीद थी कि फिल्म अगस्त में सिनेमाघरों में आएगी। हालांकि, खबरें हैं कि सीबीएफसी ने फिल्म को रोक दिया है, जिससे इसके अगस्त की समयसीमा तक रिलीज होने की संभावना कम हो गई है।

सीबीएफसी ने अगले आदेश तक लगाई रोक

सीबीएफसी ने सलमान की फिल्म 'मातृभूमि' के लिए मंजूरी का सर्टिफिकेट अगले आदेश तक रोक दिया है। रिलीज होने से पहले ही इस फिल्म को लेकर चीन में विवाद खड़ा हो गया था। इसका टीजर ऑनलाइन आने के बाद कई Weibo यूजर्स ने फिल्म पर गलवान घाटी की झड़प को गलत तरीके से दिखाने का आरोप लगाया। विदेश मंत्रालय ने जनवरी में इस मामले पर कहा कि भारत में फिल्म बनाने से जुड़े मामलों को संबंधित अधिकारी देखते हैं और ऐसे मामलों में विदेश मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं होती।

सलमान के 60वें जन्मदिन पर जारी हुआ था टीजर

मेकर्स ने सलमान खान के 60वें जन्मदिन के मौके पर 27 दिसंबर 2025 को फिल्म का टीजर जारी किया था। फिल्म में सलमान खान ने कर्नल संतोष बाबू का किरदार निभाया है, जो 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे। उन्होंने बॉर्डर पर डिसइंगेजमेंट एग्रीमेंट (सेनाओं को पीछे हटाने का समझौता) को लागू करते समय हुई झड़प के दौरान भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया था। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी 'मातृभूमि' को सलमान खान फिल्म्स बैनर के तहत सलमा खान ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह के साथ-साथ अभिलाष चौधरी और अंकुर भाटिया भी अहम भूमिकाओं में हैं और इसका संगीत हिमेश रेशमिया ने दिया है।

'जेलर 2' 15 अक्टूबर को रिलीज की जाएगी

फिल्म 'जेलर 2' को बनाने वाली कंपनी सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया पर एक टीजर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट का खुलासा किया है। रिलीज डेट सामने आने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' 15 अक्टूबर को रिलीज की जाएगी, जो फेस्टिव सीजन के दौरान है। ऐसे में मेकर्स को उम्मीद है कि लंबा वीकेंड मिलने की वजह से फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा फायदा मिलेगा। भारत के साथ-साथ फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर भी बड़े स्तर पर रिलीज किया जाएगा, जहां रजनीकांत की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

फिर साथ आए हिट टीम के लोग

इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं, जिन्होंने पहली 'जेलर' भी बनाई थी। वहीं, म्यूजिक एक बार फिर अनिरुद्ध रविचंदर दे रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरूआत में ही पूरी हो चुकी है। पहली 'जेलर' की कहानी एक रिटायर्ड जेलर मुथुवेल पांडियन की थी, जो अपने बेटे पर खतरा आने के बाद पुराने अंडरवर्ल्ड कनेक्शन का सहारा लेता है। एक्शन, डार्क कॉमेडी और स्टाइलिश कहानी के साथ यह फिल्म 2023 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में शामिल रही थी।

इस बार और बड़ी होगी स्टारकास्ट

'जेलर 2' में इस बार स्टारकास्ट और भी बड़ी होने वाली है। खबर है कि मोहनलाल और शिवा राजकुमार फिर से अपने कैमियो रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा हिंदी सिनेमा के कई बड़े सितारों को भी फिल्म में शामिल किया गया है, ताकि इसे पूरे भारत में और ज्यादा पसंद किया जा सके। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन और ऋतिक रोशन अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मलाइका अरोड़ा का दिलकश पोज

बॉलीवुड अभिनेत्री और डांसर मलाइका अरोड़ा ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपना एक हॉट और बोल्ड वीडियो साझा कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है। मलाइका का ग्रीस वेकेशन का यह वीडियो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है।

मलाइका ने साझा किया वीडियो

मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पर अपने ग्रीस वेकेशन से एक खास वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में मलाइका गुलाबी रंग की मोनोकिनी में पोज देती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में मलाइका बेहद खुश दिखाई दे रही है। इस वीडियो के साथ मलाइका ने कैप्शन में लिखा कि मूड यानी मन की दशा।

प्रशंसकों के कमेंट्स

मलाइका के इस वीडियो पर उनके कई प्रशंसकों ने कमेंट कर प्यार जताया है। एक फैन ने लिखा कि दिलचस्प और खूबसूरत, दूसरे फैन ने लिखा कि शानदार फोटोशूट, एक और फैन ने लिखा कि बार-बार साबित करती हो कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। वहीं मलाइका के कई फैंस ने उनके इस वीडियो पर लाल दिल और फायर इमोजी साझा किए हैं।

मलाइका अरोड़ा का करियर

मलाइका अरोड़ा को दर्शक उनके अभिनय से ज्यादा डांस के लिए पसंद करते हैं। मलाइका ने कई फिल्मों के गानों पर बेहतरीन डांस किया है। इस लिस्ट में 'मुन्नी बदनाम हुई' से लेकर 'अनारकली डिस्को चली' तक शामिल है। इसके अलावा मलाइका 'नच बलिए' और 'झलक दिखला जा' जैसे कई डांस और रियलिटी शोज में जज की भूमिका निभा चुकी हैं।

बॉलीवुड में उम्र के आधार पर भेदभाव पर ईशा कोप्पिकर ने उठाए सवाल

बॉलीवुड के कई सितारों ने ज्यादा उम्र के पुरुष कलाकारों के छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करने के खिलाफ आवाज उठाई है। अब इसमें नया नाम एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर का जुड़ गया है। उन्होंने इंडस्ट्री में उम्र संबंधी भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई है।

क्या महिला की उम्र है समस्या?

ईशा कोप्पिकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा कि यह बहुत अजीब है, है ना? एक आदमी की उम्र बढ़ने को अनुभव कहा जाता है, जबकि एक महिला की उम्र बढ़ने को समस्या। फिल्मों में हम हीरो को अपनी आधी उम्र की लड़कियों के साथ रोमांस करते देखते हैं। वे उनके हीरो बन जाते हैं। यह बहुत नॉर्मल है।

महिला मजबूत होती है

उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई महिला स्टाइलिश है, अपनी बात खुलकर रखती है और अपनी अलग पहचान को सेलिब्रेट करती है, तो उससे कहा जाता है कि इस उम्र में अपनी उम्र के हिसाब से व्यवहार करो। सच तो यह है कि समय के साथ, एक महिला कम नहीं होती, वह और गहरी होती जाती है। उसका कॉन्फिडेंस शोर नहीं मचाता। वह और मजबूत होता है। उसकी खूबसूरती सिर्फ उसके चेहरे में नहीं होती। यह उसके सफर में दिखती है। झुर्रियां सिर्फ उसकी उम्र नहीं दिखातीं, वे उसके संघर्षों को दिखाती हैं।

जीवन के अनुभव देख सकते हैं

'कांटे' फिल्म की एक्ट्रेस ने आगे कहा कि आप उसमें उसकी हीलिंग और उसके जीवन के अनुभव को देख सकते हैं। अगर हर महिला को जीवन मिला है, तो उसकी उम्र बढ़ेगी ही। आपकी मां, आपकी पत्नी, आपकी बहन, आपकी बेटी और एक दिन आप खुद। हर किसी की उम्र बढ़ती है। इसलिए, उम्र बढ़ने को अपमान न बनाएं। हर उम्र में महिलाओं का सम्मान करें। उनकी उम्र न देखें, बल्कि उनके सफर को देखें। उनकी त्वचा न देखें, बल्कि उनकी ताकत को देखें। इसे समझें। क्योंकि गरिमा की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती। कॉन्फिडेंस की कोई उम्र नहीं होती। इस बारे में सोचें।

उम्र से अलग है खूबसूरती

उन्होंने लिखा कि दुनिया ने बहुत समय खूबसूरती को उम्र से परिभाषित करने में बिताया है। शायद असली खूबसूरती कभी उम्र से जुड़ी थी ही नहीं।

बॉलीवुड में अभिनेत्रियों की घटती भूमिका : रवीना

रवीना टंडन की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई कर रही है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसी बीच रवीना ने बॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों में हीरोइनों की भूमिकाओं को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

हीरोइनों के कॉमिक रोल अब हुए छोटे

रवीना टंडन ने 90 के दशक में 'अंदाज अपना अपना' और 'दूल्हे राजा' जैसी कई शानदार कॉमेडी फिल्मों में काम किया था। रवीना ने कहा कि उस दौर में अभिनेत्रियों को खुलकर कॉमेडी करने का मौका मिलता था। आजकल की कॉमेडी फिल्में बहुत ज्यादा बंधी-बंधाई होती हैं या फिर उनमें बहुत सारे कलाकार होते हैं। इस वजह से हीरोइनों के हिस्से में मजेदार और हंसाने वाले सीन बहुत कम आते हैं।

श्रीदेवी और जूही चावला की तारीफ

रवीना ने 'मिस्टर इंडिया' और 'चालबाज' जैसी फिल्मों से साबित किया कि एक खूबसूरत हीरोइन भी बेहतरीन कॉमेडी और हाव-भाव से लोगों को हंसा सकती है। इसके साथ ही रवीना ने जूही चावला की कॉमिक टाइमिंग और गीता बाली और मधुबाला जैसी पुरानी अभिनेत्रियों के मजाकिया अंदाज की भी तारीफ की।

रवीना का सुझाव

रवीना ने कहा कि आजकल की अभिनेत्रियां बहुत टैलेंटेड हैं, लेकिन फिल्मों की स्क्रिप्ट उन्हें सिर्फ सुंदर दिखने तक सीमित कर देती है। हमें ऐसे लेखकों की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए मजेदार और हंसाने वाले किरदार लिखें, बिना यह सोचे कि उन्हें हर वक्त परफेक्ट दिखना है।

'वेलकम टू द जंगल' की कमाई

रवीना टंडन हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से नजर आ रही हैं। अहमद खान के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही है और रिलीज होने के बाद से दुनिया भर में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर चुकी है।

रोहित शर्मा टी-20I में सर्वाधिक फिफ्टी जड़ने वाले भारतीय कप्तान

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रेयस अय्यर ने भारतीय कप्तान के रूप में अपनी पहली फिफ्टी जड़ी है। इस एक अर्धशतक के साथ ही वे टी-20I भारत के संयुक्त रूप से पांचवें सबसे अधिक अर्धशतक जड़ने वाले कप्तान बन गए हैं। आइए टॉप-5 की लिस्ट देख लेते हैं।

टी-20I में सर्वाधिक फिफ्टी जड़ने वाले भारतीय कप्तान

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रेयस अय्यर ने भारतीय कप्तान के रूप में अपनी पहली फिफ्टी जड़ी है। इस एक अर्धशतक के साथ ही वे टी-20I भारत के संयुक्त रूप से पांचवें सबसे अधिक अर्धशतक जड़ने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं। आइए टॉप-5 की लिस्ट देख लेते हैं।

रोहित शर्मा पहले नंबर पर

भारतीय टी-20 कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा के नाम है। 2017 से 2024 तक रोहित शर्मा ने कुल 62 टी-20I मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की जिसमें 16 अर्धशतकीय पारियां खेलीं, जोकि किसी भी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक है।

विराट कोहली दूसरे पायदान पर

विराट कोहली इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। किंग के नाम से क्रिकेट की दुनिया में मशहूर कोहली ने 2017 से 2021 तक कुल 50 टी-20I मैचों में भारत की कप्तानी की जिसमें उन्होंने कुल 13 अर्धशतक जड़े।

सूर्यकुमार यादव नंबर तीन पर

इस सूची में तीसरे स्थान पर साल 2026 में भारत को विश्व विजेता बनाने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं। उन्होंने 2023 से 2026 तक कुल 52 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की, जिसमें उनके बल्ले से 9 अर्धशतक निकले।

शुभमन गिल चौथे स्थान पर

इस सूची में चौथे स्थान पर शुभमन गिल का नाम है, जो भारत के टी-20 सेटअप से बाहर हो चुके हैं। वे भारत के टेस्ट और वनडे के कप्तान हैं। गिल ने भारत के लिए साल 2024 में जिम्बाब्वे सीरीज में 5 मैचों में कप्तानी की थी, जिसमें 2 अर्धशतक जड़े थे।

सुरेश रैना, केएल राहुल और अय्यर पांच पर

भारत के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक जड़ने वाले कप्तानों की सूची में सुरेश रैना, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर पांचवें स्थान पर हैं। इन तीनों ने एक-एक अर्धशतक लगाया है। रैना ने भारत के लिए तीन मैचों में जबकि केएल राहुल ने एक मैच में कप्तानी की है। श्रेयस अय्यर ने अब तक तीन मैचों में भारत की कप्तानी की है।

महेंद्र सिंह धोनी का नाम नहीं

इस लिस्ट में भारत के महान कप्तानों में से एक गिन जाने वाले महेंद्र सिंह धोनी का नाम नहीं है। उन्होंने बतौर कप्तान भारत के लिए टी-20 में 72 मैच खेले हैं, लेकिन उनके बल्ले से एक भी अर्धशतक नहीं निकला है। 2007 के टी-20 वर्ल्ड कप को छोड़ दिया जाए तो धोनी का कप्तानी का रेकॉर्ड भी खास नहीं है। उन्होंने 72 में से 41 मैच जीते हैं, जबकि 28 में हार का सामना करना पड़ा है। 1 मैच टाई रहा है और दो में कोई नतीजा नहीं निकला है। उनका ओवरऑल जीत प्रतिशत सिर्फ 59 का है, जो रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली से बहुत कम है।

क्रिकेट से ब्रेक, फुटबॉल का क्रेज

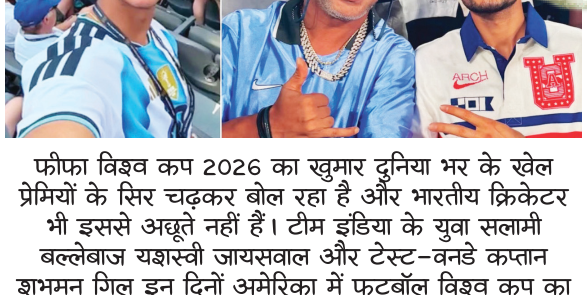

फीफा विश्व कप 2026 का खुमार दुनिया भर के खेल प्रेमियों के सिर चढ़कर बोल रहा है और भारतीय क्रिकेटर भी इससे अछूते नहीं हैं। टीम इंडिया के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और टेस्ट-वनडे कप्तान शुभमन गिल इन दिनों अमेरिका में फुटबॉल विश्व कप का लुत्फ उठाते नजर आए। एक ओर जायसवाल स्टेडियम में बैठकर फ्रांस का मुकाबला देखते दिखे, तो दूसरी ओर गिल की ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो के साथ तस्वीर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई।

क्रिकेटरों में बढ़ रहा फुटबॉल का क्रेज

फीफा विश्व कप 2026 के दौरान भारतीय क्रिकेटरों की मौजूदगी यह दिखाती है कि फुटबॉल के प्रति उनका लगाव लगातार बढ़ रहा है। शुभमन गिल की रोनाल्डिन्हो से मुलाकात और अब यशस्वी जायसवाल का स्टेडियम पहुंचकर मैच देखना इस बात का संकेत है कि क्रिकेट के सितारे भी दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल महाकुंभ का आनंद लेने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं।

विक्की कौशल ने किया जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन

एक्टर विक्की कौशल संजय लीला भंसाली के साथ अपनी पहली फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। दो साल से ज्यादा समय से बन रही यह फिल्म अब पूरी होने वाली है। अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि विक्की कौशल ने अपने किरदार के दो अलग-अलग रूप दिखाने के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। उन्होंने पहले काफी वजन बढ़ाया और फिर उसे पूरी तरह घटाया।

पहले वजन बढ़ाया, फिर घटाया

एक सूत्र ने बताया कि विक्की इस रोल के लिए जरूरी फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर बहुत समर्पित थे। 'लव एंड वॉर' की शूटिंग शुरू करते समय किरदार में ढलने के लिए उन्होंने लगभग 12 किलो वजन बढ़ाया और फिर फिल्म के क्लाइमेक्स की शूटिंग के लिए लगभग 15 किलो वजन घटाकर जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन किया। अपने काम के प्रति उनका समर्पण हमेशा ही काबिले-तारीफ रहा है।

'छावा' में भी किया था जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन

यह पहली बार नहीं है जब विक्की ने किसी रोल के लिए अपना फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया हो। एक्टर ने 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'छावा' में छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका के लिए भी इसी तरह का मुश्किल ट्रांसफॉर्मेशन किया था।

ऐसी होगी फिल्म की कहानी

'लव एंड वॉर' रोमांस और एविएशन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें विक्की कौशल, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि मेकर्स ने फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। लेकिन चर्चा है कि इसमें रणबीर और विक्की एयर फोर्स पायलट की भूमिका में नजर आएंगे। 'लव एंड वॉर' की घोषणा सबसे पहले 2024 में हुई थी और इसे क्रिसमस 2025 में रिलीज किया जाना था। बाद में इसे अनिश्चित काल के लिए टाल दिया गया। हालांकि, मेकर्स ने कभी रिलीज की तारीख का ऐलान नहीं किया, लेकिन खबरों के मुताबिक इसे मार्च 2026 में रिलीज करने का प्लान था। लेकिन वह तारीख भी गुजर गई। अप्रैल में फिल्म के मेकर्स ने घोषणा की कि 'लव एंड वॉर'' आखिरकार 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो गणतंत्र दिवस के आस-पास का समय है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेंट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप